शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 35 | गुवाहाटी | शनिवार, 5 सितंबर, 2026 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पीएम मोदी ने हमें किया था अलर्ट, लेकिन यूरोप ने नहीं सुनी पेज 2
सिलचर नगर निगम के चुनावी रण में भाजपा का शंखनाद पेज 3
बीएल संतोष कर रहे भाजपा संगठन का हेल्थ चेक : निकाय से 2028 तक ... पेज 5
महिला क्रिकेटर सोफिया अगले एक साल तक सिडनी सिक्सर्स में ही रहेंगी पेज 7

Doorgraphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विचार अथवा मंत्रणा को गुप्त न रखने पर कार्य नष्ट हो जाता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति ने सभी शिक्षकों दी बधाई

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर देश के सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि शिक्षक दिवस पर, मैं देश के सभी शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। शिक्षक दिवस पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य -शेष पृष्ठ दो पर

देशभर में अगले 5-7 दिन भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली (हि.स.)। उत्तर-पश्चिम क्षेत्र से लेकर दक्षिण प्रायद्वीपीय क्षेत्रों तक अगले 5-7 दिनों के दौरान कहीं-कहीं तेज हवाओं के साथ भारी वर्षा होने के आसार हैं। वहीं दिल्ली-एनसीआर में भी अगले तीन दिनों के बीच हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में शनिवार सुबह से दोपहर से पहले तक कई जगहों पर तेज हवाओं के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

टेट के बिना रेगुलराइजेशन नहीं

सरकार ने प्रोविंशियलाइज्ड शिक्षकों पर अपना रुख किया साफ

गुवाहाटी। असम सरकार ने प्रांतीयकृत ट्यूटर्स की लंबे समय से चली आ रही नियमित शिक्षक के तौर पर नियुक्ति की मांग पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि जिन लोगों के पास तय योग्यताएं नहीं हैं, उन्हें नियमित शिक्षक के पद पर अपग्रेड नहीं किया जा सकता। शिक्षा मंत्री डॉ. रानोज पेगु ने कहा कि जिन ट्यूटर्स के पास बी.एड या डीआई.एड की डिग्री नहीं है, या जिन्होंने टेट परीक्षा पास नहीं की है, उन्हें हम रेगुलर टीचर के तौर पर अपग्रेड नहीं कर सकते। यह बात समझनी होगी। वे राज्य भर में स्कूली शिक्षा को मजबूत करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का इस्तेमाल करने के मकसद से *समग्र शिक्षा असम* और छह प्रमुख संगठनों के बीच हुए एमओयू साइनिंग समारोह के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि देश का कानून और नीतियां बदल रही हैं। ये प्रोविंशियलाइज्ड (प्रांतीय सेवा में शामिल) शिक्षक हैं। पेगू ने बताया कि राज्य सरकार ने एक समय प्रोविंशियलाइजेशन की प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन इस दौरान यह पाया गया कि जो शिक्षक शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) और नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) के दिशा-निर्देशों को पूरा नहीं करते थे, उन्हें नियमित शिक्षक के तौर पर नियुक्त नहीं किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि इसीलिए राज्य सरकार ने उन्हें ट्यूटर के तौर पर मान्यता दी है और नियुक्त किया है। उन्हें 6 प्रतिशत का रेगुलर फिक्स्ड पेमेंट मिलता रहेगा। मंत्री ने टीचर की भर्ती के मामले में सुप्रीम कोर्ट के दखल का भी जिक्र किया और कहा कि टेट परीक्षा के बिना टीचिंग पोस्ट पर भर्ती नहीं की जा सकती। प्रमोशन के बारे में पेगू ने कहा कि ये सरकारी नियमों के अनुसार डिपार्टमेंटल प्रमोशन कमेटियों (डीपीसीएस) की बैठकों के जरिए किए जाते हैं। पेगू ने बताया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विभागों को निर्देश दिया था कि सरकार द्वारा प्रस्तावित 2 लाख नई भर्तियों को शुरू करने से पहले सभी रुके हुए प्रमोशन बिना देरी के पूरे किए जाएं। इससे पहले, एमओयू साइन करने के कार्यक्रम में असम की स्कूली शिक्षा प्रणाली में एआई और टेक्नोलॉजी के ज्यादा इस्तेमाल को बढ़ावा दिया गया, जिसमें छह संगठनों ने अलग-अलग क्षेत्रों में समग्र शिक्षा असम के साथ सहयोग किया। गुगल एआई के साथ सहयोग के तहत, शिक्षकों को एआई-पावर्ड एजुकेशनल टूल्स, डिजिटल स्किल्स और प्रोफेशनल डेवलपमेंट के जरिए सशक्त बनाया जाएगा। आईआईटी मद्रास-बोधन एआई के साथ साझेदारी शिक्षकों में एआई -शेष पृष्ठ दो पर

शांति समझौते से कार्बी आंग्लांग के विकास में तेजी आई : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि पांच साल पहले हस्ताक्षरित कार्बी शांति समझौते ने कार्बी आंग्लांग जिले के विकास को गति दी है। उन्होंने कहा कि जिला विकास के मापदंडों में प्रगति कर रहा है, जो इस बात का प्रमाण है कि संवाद एक मजबूत भविष्य की ओर ले जाता है। आज हम कार्बी शांति समझौते पर हस्ताक्षर की ऐतिहासिक वर्षगांठ मना रहे हैं - यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जिसने असम के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को हमेशा के लिए बदल दिया और संघर्ष से स्थायी सद्भाव की ओर एक नया अध्याय शुरू किया, शर्मा ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा। केंद्र सरकार, राज्य सरकार और पांच प्रमुख विद्रोही समूहों के बीच 2021 में नई दिल्ली में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते ने कार्बी आंग्लांग में, जो कार्बी जनजातियों का इलाका है, एक अलग मातृभूमि की -शेष पृष्ठ दो पर

ड्रग्स तस्करी मामले में कोर्ट ने तीन को सुनाई 15 साल की कैद

गुवाहाटी। असम के कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले की एक विशेष अदालत ने छह साल पुराने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में तीन लोगों को 15 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की गुवाहाटी क्षेत्रीय इकाई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अदालत ने दोषी ठहराए गए प्रत्येक व्यक्ति पर दो-दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। इनमें से दो दोषी, शकील -शेष पृष्ठ दो पर

जन्माष्टमी पर भक्तों ने किया विरोध प्रदर्शन पुलिस स्टेशन की बहाली की मांग की

बटद्रवा। श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि बटद्रवा थान के भक्तों, वैष्णवों और आई-मातृओं ने जन्माष्टमी के अवसर पर बटद्रवा पुलिस स्टेशन की बहाली की मांग करते हुए और क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बटाद्रवा विधानसभा क्षेत्र, विकास खंड, जिला परिषद और सत्र गांव पंचायत प्रशासनिक परिवर्तनों से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस स्टेशन को हटाना, जिसे वे कानून व्यवस्था बनाए रखने और ऐतिहासिक धार्मिक स्थल की सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

समग्र शिक्षा, असम ने छह प्रमुख संगठनों के साथ एमओयू पर किए हस्ताक्षर

गुवाहाटी (हि.स.)। समग्र शिक्षा, असम ने असम के स्कूली शिक्षा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), टेक्नोलॉजी और इनोवेटिव एजुकेशन सॉल्यूशन के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए छह प्रमुख संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह औपचारिक हस्ताक्षर समारोह शुक्रवार को राज्य मिशन कार्यालय, समग्र शिक्षा, असम में आयोजित किया गया था। असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगु मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में शामिल हुए। समारोह में मिशन निदेशक, समग्र शिक्षा, असम; कार्यकारी निदेशक, समग्र शिक्षा, असम; विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी), समग्र शिक्षा, असम और भाग लेने वाले संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। इन एमओयू पर -शेष पृष्ठ दो पर

आईआईटी-गुवाहाटी का कमाल, कम ऊर्जा में लंबे डेटा का विश्लेषण करेगा नया एआई मॉडल

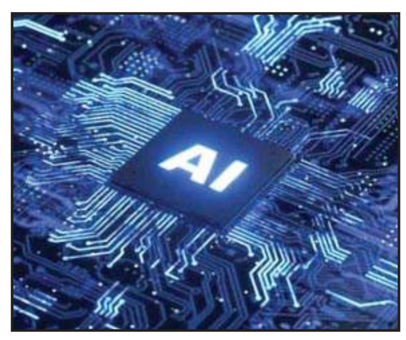

गुवाहाटी। आईआईटी गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का ऐसा नया मॉडल विकसित किया है, जो लंबे समय तक लगातार आने वाले डेटा का कम ऊर्जा खर्च करके विश्लेषण कर सकता है। इसे खास तौर पर उन उपकरणों के लिए उपयोगी माना जा रहा है, जहां बिजली या बैटरी की क्षमता सीमित होती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह तकनीक ऐसे उपकरणों में सीधे एआई के इस्तेमाल का रास्ता आसान कर सकती है, जिनके लिए हर बार दूर स्थित सर्वर पर निर्भर रहना जरूरी नहीं होगा। यह शोध आईआईटी गुवाहाटी के मेहता फैमिली स्कूल ऑफ डाटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सस्टेनएआई प्रयोगशाला के शोधकर्ताओं ने किया है। मॉडल को *स्पाइकिंग हेटेरोजीनियस हार्मोनिक रेजोनेट-एंड-फायर स्टेट स्पेस मॉडल* नाम दिया गया है। इसे दक्षिण कोरिया के सियोल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मशीन लर्निंग सम्मेलन-2026 में प्रस्तुत किया गया। आम एआई मॉडल लगातार मिलने वाले डेटा को संसाधित करते हैं। डेटा जितना लंबा होता जाता है, उतनी ही अधिक कंप्यूटिंग क्षमता और ऊर्जा की जरूरत पड़ सकती है। नए मॉडल में मानव मस्तिष्क से प्रेरित *स्पाइकिंग न्यूरल नेटवर्क* तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इसमें कृत्रिम तंत्रिका कोशिकाएं हर समय सक्रिय रहने के बजाय महत्वपूर्ण बदलाव या घटना होने पर ही सक्रिय होती हैं। इससे अनावश्यक गणना कम होती है और ऊर्जा की बचत होती है। मॉडल में अलग-अलग गुण वाली कृत्रिम तंत्रिका कोशिकाएं भी रखी गई हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, इससे यह वास्तविक दुनिया के डेटा -शेष पृष्ठ दो पर

रूसी तेल खरीद पर प्रतिबंध से नहीं हल होगा यूक्रेन संकट : एस. जयशंकर

कीव (हि.स.)। भारत ने रूसी तेल की खरीद को लेकर अपनी नीति का बचाव करते हुए साफ कहा है कि ऊर्जा व्यापार पर प्रतिबंध लगाने से यूक्रेन संकट का समाधान नहीं होगा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि रूस-यूक्रेन विवाद का हल केवल बातचीत, कूटनीति और राजनीतिक संवाद के जरिए ही निकाला जा सकता है। रूस की अंतर्राष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, यूक्रेन की राजधानी कीव में अपने यूक्रेनी समकक्ष आंद्री सिबिहा के साथ बातचीत के बाद प्रेस से बात -शेष पृष्ठ दो पर

एफसीआरए संशोधन विधेयक पर जेपीसी का गठन, संजय जायसवाल होंगे समिति के अध्यक्ष

नई दिल्ली। सरकार द्वारा विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने के बाद गुरुवार को 31 सदस्यीय समिति का गठन कर दिया गया। लोकसभा से 21 सदस्य और राज्यसभा से 10 सदस्य समिति में हैं। भाजपा के डॉ. संजय जायसवाल को समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित इस समिति में भाजपा के 14 और कांग्रेस के पांच सदस्य हैं। इसके अलावा इसमें जेडीयू, टीएमसी और डीएमके से दो-दो सदस्य और सपा, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, शिवसेना, एनसीपी (एसपी), एनसीपी और टीडीपी से भी एक-एक सदस्य शामिल हैं। समिति के लोकसभा सदस्यों में भर्तृहरि महताब, तेजस्वी सूर्या, निशिकांत दुबे, सुप्रिया सुले, ए। राजा, कल्याण -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-पाक सीमा के पास आईएएफ का बड़ा सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान सीमा के दक्षिणी हिस्से के पास भारतीय वायुसेना के सैन्य अभ्यास के लिए एयरस्पेस रिजर्व करने की अधिसूचना जारी की है। इसके तहत राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी और जोधपुर के आसपास के हवाई क्षेत्र में निर्धारित समय पर सामान्य एयर ट्रैफिक के लिए प्रतिबंध रहेगा। नोटाम (नोटसि ऑफ एयरमैन) के मुताबिक यह एयरस्पेस रिजर्वेशन 21 सितंबर से 7 अक्तूबर 2026 तक लागू रहेगा। इस दौरान -शेष पृष्ठ दो पर

जियोर्जिया मेलोनी ने बनाया सबसे लंबी सरकार का रिकॉर्ड

पीएम मोदी बोले- अटूट विश्वास की जीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के इतिहास में देश की सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा करने वाली प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि मेलोनी का यह कार्यकाल इटली की जनता के अटूट विश्वास को दर्शाता है। साथ ही उन्होंने भारत और इटली के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मेलोनी के योगदान की -शेष पृष्ठ दो पर

देश में जन्माष्टमी की धूम, मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मुंबई। देशभर में आज जन्माष्टमी की धूम है। कृष्ण मंदिरों में आरती और भजनों की गूंज सुनाई दे रही है और भारी संख्या में श्रद्धालु पूजा अर्चना के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं। वहीं शनिवार को होने वाले दही हांडी उत्सव के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। खासकर मुंबई में दही हांडी को लेकर गजब का उत्साह है। इस दौरान गोविंदाओं की कई टीमें मानव पिरामिड बनाकर सड़क किनारे काफी ऊंचाई पर लटकाए गए दही और दूध से भरे मिट्टी के मटकों को फोड़ेंगी। कृष्ण जन्माष्टमी, जिसे कृष्णाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है, भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव है। भगवान कृष्ण को भगवान विष्णु का आठवां अवतार माना जाता है। महानगर के विभिन्न कृष्ण मंदिरों को फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है, जहां भक्ति कार्यक्रमों और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जा रहा है। गिरगांव चौपाटी स्थित इस्कॉन मंदिर में सुबह के धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत भव्य -शेष पृष्ठ दो पर

सिक्किम में अधिक खतरे वाली 40 ग्लेशियर झीलों की हुई पहचान, 16 के फटने का जोखिम सबसे ज्यादा

गंगटोक। पूर्वी हिमालयी राज्य सिक्किम ने 40 अधिक खतरे वाली ग्लेशियर झीलों की पहचान की है, जिनमें से 16 को ऐसी झीलों के रूप में चिह्नित किया गया है जिनके फटने से आपदाकारी बाढ़ आने का जोखिम सर्वाधिक है। इनके फटने से निचले इलाकों की बस्तियों को खतरा हो सकता है। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नेपाल में हाल में अचानक आई बाढ़ की पृष्ठभूमि में आया है। यह बाढ़ 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा के पास एक ग्लेशियर टूटने से आई थी, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए और कई लोग लापता हो गए। हालांकि यह तबाही *ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड* (जीएलओएफ) या हिमनदीय झीलों के आवेग से आई बाढ़ से जुड़ी नहीं थी, लेकिन अचानक आई बाढ़ ने हिमालय में एक बड़े बदलाव को दिखाया है क्योंकि ग्लेशियर घट रहे हैं, उनकी जगह नई झीलें बन रही हैं, जबकि मौजूदा झीलों का विस्तार हो रहा है। ग्लेशियर झीलें ग्लेशियर के पिघलने और ग्लेशियर की सतह पर या उसके पास गड्ढों में पिघले पानी के जमा होने से बनती हैं। जीएलओएफ तब होता है जब ये झीलें बहुत ज्यादा पानी जमा होने या भूकंप जैसे कारणों से अचानक फट जाती हैं। ये बाढ़ बहुत अधिक तबाही मचा सकती हैं और लोगों और आस-पास के पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकती हैं। अक्तूबर 2023 में सिक्किम में ऐसी ही एक बाढ़ में मंगन, गंगटोक, पाकयोंग और नामची जिलों में कम से कम 60 लोगों की मौत हो गई थी और बहुत ज्यादा नुकसान हुआ था। इसने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

तालाब से युवक का शव बरामद इलाके में सनसनी

दक्षिण सालमारा (हिंस)। हाटशिंगिमारी में एक तालाब से आज युवक का शव बरामद होने के चलते इलाके में सनसनी फैल गई। शव हाटशिंगिमारी कॉलेज के सामने स्थित एक तालाब के पानी पर तैरता हुआ मिला। स्थानीय लोगों ने शव को तालाब में तैरते हुए देखा, जिसके बाद उसे बाहर निकाला गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, बरामद शव की पहचान खारुआबांधा पुलिस चौकी क्षेत्र के दाफादारपाड़ा गांव निवासी अब्दुल के पुत्र चापिएल के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही खारुआबांधा पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर घटना के कारणों का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पीएम मोदी ने हमें किया था अलर्ट, लेकिन यूरोप ने नहीं सुनी

अर्थव्यवस्था पर बोले बेल्जियम के प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने कहा कि यूरोप को व्यापारिक निर्भरता के जोखिमों के बारे में अचानक अहसास हुआ है। उन्होंने माना कि भारत ने पहले ही यूरोपीय देशों को इस मुद्दे पर चेतावनी दी थी, लेकिन उस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया गया। भारत-यूरोप के बीच गहरी राणनीतिक साझेदारी की संभावनाओं पर बात करते हुए, डी वेवर ने कहा कि दोनों पक्षों के सामने एक जैसी चुनौतियां हैं, खासकर इसलिए क्योंकि आर्थिक निर्भरता का इस्तेमाल अब दबाव बनाने के लिए किया जा रहा है। डी वेवर ने कहा कि हमारे सामने एक जैसी चुनौतियां हैं। हम उन्हीं पावर ब्लॉक्स का सामना कर रहे हैं जो एक खास दिशा में बढ़ रहे हैं। एक ऐसी दिशा जो शायद हमें पसंद नहीं है और हमें यह पसंद नहीं कि कोई अपनी मर्जी चलाए। हमें पसंद नहीं है कि निर्भरता का इस्तेमाल हमारे खिलाफ हथियार के तौर पर किए जाए। इसके बाद उन्होंने यूरोप को दी गई भारत की चेतावनियों का जिक्र किया। डी वेवर ने कहा कि आपने यह इतिहास देखा है। आपके प्रधानमंत्री ने पहले ही यूरोप को इस बारे में चेतावनी दी थी, लेकिन उन्हें नजर अंदाज कर दिया गया। उनकी बात नहीं सुनी गई। अब हम सुन रहे हैं। यूरोप नें यह अहसास शायद थोड़ी देर से हो रहा है, लेकिन हो रहा है। जब वेवर से सवाल पूछा गया कि ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था बंट रही है, यूरोप और भारत एक मजबूत रणनीतिक साझेदारी कैसे बना सकते हैं और भारत को व्यापार, निवेश, टेक्लोलॉजी और सप्लाई चेन की मजबूती के लिए यूरोप को लंबे समय के पार्टनर के तौर पर क्यों चुनना चाहिए? डी वेवर ने कहा कि यूरोप अब सक्रिय रूप से ऐसे पार्टनर की तलाश कर रहा है जो मल्टीलेटरलिज्म और ताकत की बजाय सम्मान पर आधारित सहयोग में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया की किस बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ हम उस तरह का रिश्ता बना सकते हैं? अगर उस लिस्ट में भारत का नाम नहीं है, तो आपने कोई बहुत बुनियादी बात मिस कर दी है। भारत उस लिस्ट में हैं, वह नंबर एक पर है।

अपहरण-फिरौती के मास्टरमाइंड को इंटरपोल की मदद से दुबई में पकड़ा

जयपुर (हिंस)। व्यापारी नरेंद्र नाथ दत्ता के अपहरण और करोड़ों रुपए की फिरौती मांगने के मामले में फरार चल रहे मास्टरमाइंड करण आसवानी उर्फ कमल सिंधी को राजस्थान एजीटीएफ ने इंटरपोल की मदद से दुबई से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को लेकर एजीटीएफ की टीम गुरुवार देर रात जयपुर पहुंची। मामले में उसके तीन साथी पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। एडीजी एटीए-एएनटीएफ एवं एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि करण आसवानी के दुबई में छिपे होने की जानकारी मिलने के बाद एजीटीएफ ने उसकी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तलाश शुरू की। आरोपी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस (आरसीएन) जारी कराया गया। इसके बाद यूएई के अबू धाबी स्थित इंटरपोल से लगातार संपर्क और समन्वय किया गया। आरोपी के डिटेन होने की सूचना मिलने के बाद उसे भारत लाने की कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई। 31 अगस्त को एएसपी सिद्धांत शर्मा के नेतृत्व में एजीटीएफ की टीम जयपुर से दुबई रवाना हुई। टीम में डीएसपी रविंद्र प्रताप, पुलिस निरीक्षक सुनील जांगिड़ और राम सिंह नाथावत शामिल थे। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और समन्वय पूरा करने के बाद टीम करण आसवानी को अपने कब्जे में लेकर गुरुवार देर रात जयपुर पहुंची। उन्होंने बताया कि खोह नागोरियान थाने में 21 अगस्त 2025 को व्यापारी नरेंद्र नाथ दत्ता के अपहरण का मामला दर्ज हुआ था। परिवाद के अनुसार नरेंद्र नाथ दत्ता 20 अगस्त को जयपुर स्थित अपने घर से वैशाली नगर जाने के लिए निकले थे। उनके साथ परिचित और कार चालक भी था। बाद में मोबाइल बंद आने पर परिजनों को चिंता हुई। अगले दिन उनके मोबाइल से फोन कर बताया गया कि नरेंद्र नाथ दत्ता का अपहरण कर लिया गया है और उनकी रिहाई के लिए फिरौती की रकम की व्यवस्था करने को कहा गया।

आरजी कर मामला : गिरफ्तार पूर्व चेयरमैन पर ईंट-पत्थर और अंडों से हमला, पुलिसकर्मी घायल

कोलकाता। आरजी कर अस्पताल की ट्रेनी डॉक्टर से जुड़े दुष्कर्म और मर्डर मामले में जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कराने के आरोपों को लेकर गिरफ्तार पानीहाटी नगर निकाय के पूर्व प्रमुख सोमनाथ डे को शुक्रवार को खड़दह पुलिस स्टेशन लाया गया। उनकी गिरफ्तारी के बाद प्रदर्शनकारियों ने उन पर ईंटें, पत्थर और अंडे फेंके, जिससे आरोपी को बचाने की कोशिश में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। टीएमसी नेता डे को बेंगलुरु से गिरफ्तार करने के बाद खड़दह पुलिस स्टेशन लाया गया था। महीनों तक फरार रहने के बाद उनकी गिरफ्तारी की खबर मिलते ही थाने के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब डे को हेलमेट पहनाकर पुलिस स्टेशन से बाहर निकाला जा रहा था, तभी भीड़ ने आरोपी पर कच्चे अंडे, ईंटें और पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। भीड़ से आरोपी को बचाने की कोशिश में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि डे को तुरंत पुलिस की गाड़ी में बैठाकर बैरकपुर कोर्ट ले जाया गया। पुलिस ने मामले में जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कराने और सबूत मिटाने के आरोपों को लेकर कोर्ट से पूछताछ के लिए डे की कस्टडी मांगी है। पीड़िता का जल्दबाजी में अंतिम संस्कार कराने के आरोप में खड़दह पुलिस स्टेशन में एक अलग मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में अन्य आरोपी पानीहाटी के पूर्व एमएलए निर्मल घोष और पूर्व पार्षद संजीव मुखोपाध्याय पहले से ही जेल में हैं। इससे पहले जब घोष और मुखोपाध्याय को पुलिस स्टेशन लाया गया था, तब भी ऐसी ही घटना हुई थी। उस विरोध प्रदर्शन में दोनों घायल हो गए थे और बाद में मुखोपाध्याय की आंखों की सर्जरी करानी पड़ी थी। आरजी कर अस्पताल की ट्रेनी डॉक्टर 9 अगस्त, 2024 की सुबह सरकारी अस्पताल के सेमिनार रूम में मृत पाई गई थीं। बाद में जांच में सामने आया कि पिछली रात उनके साथ दुष्कर्म और मर्डर किया गया था।

बिलासीपारा : भारी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद

धुबड़ी (हिंस)। बिलासीपाड़ा पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाते हुए बिलासीपाड़ा शहर के कृष्णानगर इलाके में बड़ी कार्रवाई की। अभियान के दौरान पुलिस ने तुहगुड़ी से लदे एएस-01-एमसी-1773 नंबर के मैजिक वाहन में छिपाकर ले जाई जा रही बड़ी मात्रा में नशीली एवं प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद की। इस मामले में पुलिस ने दो कथित ड्रग्स तस्करों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शेख फरीस और जियारुल हक के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपित चर क्षेत्र से प्रतिबंधित कफ सिरप लेकर बिलासीपाड़ा शहर की ओर आ रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाहन सहित कफ सिरप को जब्त कर लिया। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपित लंबे समय से नशीले पदार्थों के कारोबार में संलिप्त बताए जा रहे हैं। बरामद कफ सिरप, मैजिक वाहन और दोनों आरोपितों को थाने लाकर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

डूबने से दादी और पोती की मौत

विश्वनाथ (हिंस)। विश्वनाथ जिले के बरूकूरा इलाके में तालाब में डूबने से दादी और पोती की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात तालाब में डूब रही पोती को बचाने के चक्कर में दादी भी तालाब में डूब गई। जिसकी वजह से दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान उज्ज्वल माझी और मालती मांझी के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों के शव को तालाब से बाहर निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया।

पृष्ठ एक का शेष

टेट के बिना ...

की समझ बढ़ाने पर केंद्रित होगी, जिसमें मई 2027 तक कक्षा 6 से 12 तक के लगभग एक लाख शिक्षकों को प्रशिक्षित करने का प्रस्ताव है। एलईएचएस-वधवानी एआई के साथ सहयोग का मकसद छात्रों की पढ़ने की क्षमता (रीडिंग फ्लुएंसी) के एआई-आधारित मूल्यांकन के जरिए बुनियादी साक्षरता को मजबूत करना होगा, जबकि *एजुकेट गर्ल्स* स्कूल से बाहर रहने वाले किशोरों, खासकर लड़कियों की पहचान, नामांकन और उन्हें स्कूल में बनाए रखने में मदद करेगा। एक स्टेप-एएक्सएल बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता में पर्सनलाइज्ड, एआई-असिस्टेड लर्निंग पर काम करेगा, जबकि केनवा एडुकेशन शिक्षकों और छात्रों के बीच डिजिटल साक्षरता, रचनात्मकता, डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन पर ध्यान केंद्रित करेगा। पेगू ने कहा कि ये सहयोग एक टेक्नोलॉजी-आधारित, समावेशी और सीखने वालों पर केंद्रित शिक्षा इकोसिस्टम बनाने में मदद करेंगे, साथ ही शिक्षकों को सशक्त बनाएंगे और पूरे राज्य में छात्रों के लिए सीखने के अवसर बढ़ाएंगे।

शांति समझौते से ...

मांग को लेकर विद्रोहियों के संघर्ष में वर्षों से जारी हिंसा, हत्याओं और अपहरणों का अंत कर दिया। शर्मा ने कहा कि यह समझौता असम की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करते हुए कार्बी लोगों की लंबे समय से चली आ रही आकांक्षाओं को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे के उन्नयन से लेकर लक्षित आदिवासी कल्याण तक, इस समझौते ने युवाओं, कला और स्थानीय उद्यमशीलता के लिए नए द्वार खोल दिए हैं। कार्बी आंग्लांग समृद्धि के पथ पर अग्रसर है, और हम शांति और एकता की उस भावना को सलाम करते हैं जिसने इस समझौते को संभव बनाया। यह संवाद के माध्यम से एक मजबूत भविष्य के निर्माण का एक ुत्कृष्ट उदाहरण है, मुख्यमंत्री ने आगे कहा। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि राज्य सरकार क्षेत्र के तीव्र विकास और लोगों के कल्याण को सुनिश्चित करने के साथ-साथ उनकी विशिष्ट पहचान की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ड्रग्स तस्करी मामले में ...

खान और मोहम्मद याहिया खान, मणिपुर के रहने वाले हैं, जबकि तीसरा दोषी मिथिलेश कुमार बिहार का रहने वाला है। एनसीबी ने कहा कि जुर्माने की राशि का भुगतान नहीं करने पर दोषियों को एक वर्ष की अतिरिक्त जेल की सजा भुगतनी होगी। अधिकारियों ने बताया कि उन्हें अक्तूबर 2020 में गुवाहाटी के सिक्स माइल इलाके से 2.146 किलोग्राम मेथामफेटामाइन के साथ गिरफ्तार किया गया था और उनके खिलाफ स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

जन्माष्टमी पर भक्तों ने किया...

सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण मानते थे, ने उनकी चिंताओं को और बढ़ा दिया है। प्रदर्शनकारियों ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से हस्तक्षेप करने और उनकी मांगों पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया गया तो वे अपना आंदोलन सड़कों पर ले जाएंगे। सालगुरी और नारोवा सत्र के निवासियों के साथ-साथ नामगोवा, गायोन-बायोन, सूत्रधार, पालिदेउरी, हातिमोता और मुक्तियार सहित बतद्रवा थान के पदाधिकारियों ने भी विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने स्थानीय निवासियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने पुलिस स्टेशन की बहाली की मांग करते हुए कहा कि यह स्थानीय आबादी की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री से *हमारे अस्तित्व को बहाल करने* की अपील करते हुए नारे लगाए। यह विरोध प्रदर्शन जन्माष्टमी के दिन आयोजित किया गया था, जो भगवान कृष्ण के जन्म का प्रतीक है।

समग्र शिक्षा, असम ने ...

मिशन निदेशक, समग्र शिक्षा, असम और छह संगठनों के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए। इन साझेदारियों का उद्देश्य एआई और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके शिक्षकों की क्षमता को मजबूत करना, बुनियादी शिक्षा में सुधार करना, मूल्यांकन प्रणालियों को बेहतर बनाना, डिजिटल क्रिएटिविटी और इनोवेशन को बढ़ावा देना और स्कूल से बाहर के किशोरों के नामांकन और उन्हें स्कूल में बनाए रखने में मदद करना है। साझेदार संगठनों में गुगल एआई, आईआईटी मद्रास - बोधन एआई, एलईएचएस - वाधवानी एआई, फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली (एजुकेट गर्ल्स), एकस्टेप - एक्सएल, कैनवा शिक्षा शामिल हैं। इन छह एमओयू (समझौता ज्ञापनों) पर हस्ताक्षर करना असम की स्कूली शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल टेक्नोलॉजी, पर्सनलाइज्ड लर्निंग (हर बच्चे की जरूरत के हिसाब से पढ़ाई), टेक्नोलॉजी-आधारित मूल्यांकन, शिक्षकों की क्षमता बढ़ाना और स्कूल से बाहर रह रहे बच्चों तक पहुंचने के लिए नए तरीके अपनाना शामिल है। इन साझेदारियों के जरिए, *समग्र शिक्षा, असम* का मकसद एक ऐसा शिक्षा इकोसिस्टम बनाना है जो ज्यादा टेक्नोलॉजी-आधारित, समावेशी और सीखने वाले (छात्र) पर केंद्रित हो। साथ ही, इसका मकसद शिक्षकों को सशक्त बनाना और पूरे राज्य में बच्चों और किशोरों के लिए सीखने के बेहतर मौके उपलब्ध कराना भी है।

आईआईटी-गुवाहाटी का कमाल...

में मौजूद जटिल और लंबे समय तक चलने वाले बदलावों को बेहतर तरीके से समझ सकता है। शोधकर्ताओं ने मॉडल को 17 मानक आंकड़ा समूहों पर परखा। इनमें लंबे समय के डेटा का वर्गीकरण, अनुमान, मानव गतिविधियों की पहचान और भविष्य के रुझानों का पूर्वानुमान जैसे परीक्षण शामिल थे। शोध के अनुसार, मॉडल ने कई आधुनिक एआई प्रणालियों के बराबर प्रदर्शन किया और अनुमानित ऊर्जा खपत काफी कम रही। आईआईटी गुवाहाटी के सहायक प्रोफेसर डॉ. आयन बोर्थाकुर ने कहा कि स्वास्थ्य उपकरणों, पर्यावरण सेंसर, औद्योगिक निगरानी तथा मौसम और यातायात के पूर्वानुमान में लगातार बड़ी मात्रा में डेटा आता है। ऐसे में कम ऊर्जा में उसका विश्लेषण करने वाली तकनीक महत्वपूर्ण है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस मॉडल का इस्तेमाल पहनने योग्य स्वास्थ्य निगरानी उपकरणों, इंटरनेट से जुड़े सेंसर, स्मार्ट कारखानों, पर्यावरण निगरानी, स्वचालित प्रणालियों और लंबे समय के पूर्वानुमान में किया जा सकता है। शोध टीम अब वास्तविक परिस्थितियों में इसके परीक्षण और इसकी दक्षता बढ़ाने पर काम करेगी। असम सरकार ने स्कूल शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए छह संस्थाओं के साथ समझौता किया है। समग्र शिक्षा, असम की इस पहल का उद्देश्य छात्रों की पढ़ाई का स्तर सुधारने के साथ शिक्षकों को आधुनिक डिजिटल कौशल से लैस करना है। समझौते के तहत गूगल एआई शिक्षकों को एआई आधारित शैक्षणिक उपकरण और प्रशिक्षण देगा। आईआईटी मद्रास-बोधन एआई मई 2027 तक कक्षा छह से 12वीं तक पढ़ाने वाले करीब एक लाख शिक्षकों को एआई का प्रशिक्षण देने की योजना पर काम करेगा। वाधवानी एआई छात्रों की पढ़ने की क्षमता का तकनीक के जरिये आकलन करेगा, जिससे बुनियादी साक्षरता मजबूत की जा सके। एजुकेट गर्ल्स स्कूल से बाहर रहने वाले किशोरों, खासकर लड़कियों की पहचान, नामांकन और पढ़ाई जारी रखने में मदद करेगा।

रूसी तेल खरीद पर ...

करते हुए जयशंकर ने कहा कि यह संघर्ष अपने पांचवें वर्ष में पहुंच चुका है और केवल इस आधार पर इसका समाधान नहीं हो सकता कि कोई देश रूस से तेल, खनिज, धातु या अन्य वस्तुएं खरीद रहा है या नहीं। जब जयशंकर से पूछा गया कि अगर अमेरिका रूस के प्रमुख तेल खरीदारों पर नए और कड़े प्रतिबंध लगाता है तो क्या भारत रूसी तेल की खरीद कम करेगा, उन्होंने भारत की विशाल ऊर्जा जरूरतों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक ऊर्जा परिस्थितियां बेहद चुनौतीपूर्ण हैं और भारत के सामने 1.4 अरब लोगों के लिए ऊर्जा की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने की बड़ी जिम्मेदारी है। ऊर्जा बाजार पर नजर रखने वाली फर्म केप्लर के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता रहा। रूस से भारत के कुल कच्चे तेल आयात का करीब 45 फीसदी, यानी लगभग 21 लाख बैरल प्रतिदिन, आया। हालांकि, यह जुलाई के करीब 28 लाख बैरल प्रतिदिन के रिकॉर्ड आयात से कम था। जयशंकर ने कहा कि भारत यूक्रेन के रूसी ऊर्जा खरीद को लेकर नजरिए का सम्मान करता है लेकिन नई दिल्ली भी उम्मीद करती है कि उसके स्वतंत्र ऊर्जा और विदेश नीति संबंधी फैसलों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत युद्ध के मैदान से समाधान निकलने की उम्मीद नहीं करता। उनके मुताबिक, संघर्ष जितना लंबा चलेगा, उतनी ही अधिक मौतें और तबाही होगी। जयशंकर की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका में *लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026* पर चर्चा होनी बाकी है। यह विधेयक अमेरिकी सीनेट से पारित हो चुका है और रूस के प्रमुख तेल एवं गैस खरीदारों पर कड़े आर्थिक दबाव का रास्ता खोल सकता है। प्रस्तावित कानून के तहत रूस के शीर्ष पांच तेल खरीदारों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाए जाने का प्रावधान है। यूक्रेन इस विधेयक को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पारित कराने के लिए समर्थन जुटा रहा है। जयशंकर ने कहा कि भारत, रूस और यूक्रेन के बीच शांति के लिए आगे का रास्ता तलाशने में दोनों पक्षों की मदद करने को तैयार है। नई दिल्ली लगातार मॉस्को और कीव, दोनों के संपर्क में है। गौरतलब है कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते 31 अगस्त को किर्गिस्तान के बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की थी। बैठक के दौरान मोदी ने कहा था कि दुनिया को *अंतहीन युद्ध* से आगे बढ़कर युद्ध समाप्त करने की दिशा में काम करना चाहिए। दोनों नेताओं की अगले सप्ताह नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान फिर से मुलाकात होने की संभावना जताई जा रही है। जयशंकर की कीव यात्रा किसी भारतीय विदेश मंत्री की यूक्रेन की पहली विशेष द्विपक्षीय यात्रा है। उनकी यात्रा को भारत की उस नीति के हिस्से के तौर पर देखा जा रहा है, जिसमें भारत, रूस के साथ अपने रणनीतिक और ऊर्जा संबंध बनाए रखते हुए यूक्रेन संकट के कूटनीतिक समाधान पर जोर दे रही है।

एफसीआरए संशोधन विधेयक ...

बनर्जी समेत अन्य सदस्य शामिल हैं, जबकि राज्यसभा से सी। सदानंदन मास्टर, हर्षवर्धन श्रृंगला, उज्ज्वल देव राव निकम, अलका गुर्जर, सत पाल शर्मा, प्रफुल पटेल, संजय कुमार झा, क्रिस्टोफर मणिकम, मेनका गुरुस्वामी और पी। विल्सन सदस्य हैं। इस समिति को संसद के शीतकालीन सत्र के पहले हफ्ते के अंतिम दिन तक लोकसभा में अपनी रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा गया है। पिछले महीने यानी 12 अगस्त को संसद के दोनों सदनों ने इस एफसीआरए संशोधन विधेयक 2026 को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने के प्रस्ताव पारित किए थे, जबकि विपक्षी दलों का कहना था कि प्रस्तावित कानून अल्पसंख्यकों और गैर सरकारी संगठनों को निशाना बनाता है और उन्होंने इसे पूरी तरह वापस लेने की मांग की थी। हालांकि सरकार ने इस आरोप को खारिज करते हुए विपक्ष को चुनौती दी कि वह ऐसा कोई प्रावधान बताए जो अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव करता हो। दरअसल, 25 मार्च को लोकसभा में पेश किए गए इस विधेयक में गैर सरकारी संगठनों और विदेशी चंदे पर कड़ी निगरानी का प्रस्ताव है। हालांकि शुरुआत में विभिन्न हितधारकों के कड़े विरोध के बाद सरकार ने इसे रोक दिया था। इस विधेयक के विरोध में पूर्वोत्तर के कई राज्यों में प्रदर्शन हुए थे। नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफिउ रियो और मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने केंद्र सरकार से इसे संसदीय समिति के पास भेजने का आग्रह किया था, जबकि मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के। संगमा ने इसके प्रावधानों पर चिंता जताई थी।

भारत-पाक सीमा के ...

पाकिस्तान के जैकबाबाद, सुक्कुर, नवाबशाह, भोलीरी, कराची, मुल्तान, रहीम यार खान और बहावलपुर के सामने वाले भारतीय क्षेत्र में वायुसेना की गतिविधियां होंगी। अभ्यास के लिए निर्धारित एयरस्पेस की ऊपरी सीमा अलग-अलग हिस्सों में 27 हजार फीट से लेकर 49 हजार फीट तक रखी गई है। यानी इस इलाके में ऊंचाई पर भी वायुसेना के विमानों की गतिविधियां हो सकती हैं। एयरस्पेस रिजर्वेशन का इलाका भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा के दक्षिणी हिस्से में है। इसमें नाल-बिकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर और उत्तरलाई जैसे इलाकों के आसपास का एयरस्पेस शामिल है। पाकिस्तान की तरफ जैकबाबाद से लेकर कराची और बहावलपुर तक के इलाके इसके करीब हैं।

जियोर्जिया मेलोनी ने बनाया...

सराहना की। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया कि इटली के युद्ध-बाद के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने पर मेरी दोस्त प्रधानमंत्री मेलोनी को बधाई। यह उपलब्धि उनके नेतृत्व में इटली के लोगों के भरोसे और विश्वास को दर्शाती है। राजनयिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने में उनके रणनीतिक योगदान पर जोर देते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि उनकी दोस्ती ने भारत-इटली विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में भी अहम भूमिका निभाई है, और मैं हमारे देशों के लोगों के लिए एक समृद्ध भविष्य बनाने के लिए हमारे करीबी सहयोग को जारी रखने के लिए उत्सुक हूं। आने वाले वर्षों में उनकी निरंतर सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की सरकार ने पद पर 1,413 लगातार दिन पूरे कर लिए हैं, जो युद्ध के बाद के इटली में सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने का एक नया रिकॉर्ड है। इससे पहले 1,412 लगातार दिनों का रिकॉर्ड दिवंगत सिल्वियो बर्लुस्कोनी की दूसरी सरकार के नाम था, जो 2001 से 2005 तक चली थी। यह उपलब्धि ऐसे देश के लिए बहुत अहम है जहां दूसरे विश्व युद्ध के बाद के 80 सालों में 68 अलग-अलग सरकारें बनी हैं और जहां स्थिर सरकार का पूरा कार्यकाल चलना बहुत कम देखने को मिलता है। मेलोनी ने अक्तूबर 2022 में इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री के तौर पर पद संभाला था। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रधानमंत्री मेलोनी ने इटली के नागरिकों का उनके जनादेश के लिए गहरा आभार व्यक्त किया और अपनी सरकार के मुख्य सामाजिक-आर्थिक और अंतर्राष्ट्रीय फोकस क्षेत्रों के बारे में बताया कि यह स्थिरता उन इटालियंस की वजह से है जिन्होंने 2022 में हम पर भरोसा किया था। मेलोनी ने एक्स पर लिखा कि यह ऐसा भरोसा है जिसे हमने कभी *ब्लैंक चेक* नहीं माना और जिसे हम कभी हल्के में नहीं लेंगे। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने पिछले कुछ सालों में रोजगार बढ़ाने, बेरोजगारी कम करने, परिवारों और व्यवसायों को सहारा देने, सुरक्षा मजबूत करने, सार्वजनिक वित्त का गंभीरता से प्रबंधन करने और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर इटली का महत्व और विश्वसनीयता बहाल करने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार शाम को बारी में, नेतृत्व अब तक किए गए कामों और भविष्य की योजनाओं की समीक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि और आज शाम हम बारी में फ्राटेली डी इटालिया के बड़े समुदाय के साथ मिलेंगे। यह एक-दूसरे की आंखों में आंखें डालकर देखने, अब तक तय किए गए सफर का जायजा लेने और सबसे बढ़कर, उस रास्ते के बारे में बात करने का मौका होगा जो अभी हमारे सामने है।

देश में जन्माष्टमी की...

मंगला आरती से हुई। इसमें श्रद्धालुओं की लगातार भीड़ पहुंचती रही। आवासीय सोसायटियों में भी उत्साह कम नहीं है। यहां वयस्कों और बच्चों ने पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में हिस्सा लिया। घरों में होने वाली पूजा-अर्चना की तैयारियां भी जोरों पर हैं, जो आधी रात से शुरू होंगी। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और पुलिस ने शनिवार को दही हांडी उत्सव के दौरान अपेक्षित भारी भीड़ को संभालने के लिए प्रमुख आयोजन स्थलों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम और यातायात मार्गों में बदलाव किए हैं। कश्मीर हमारा अभिन्न अंग: बर्मिंघम मेयर को विदेश मंत्रालय की दो टूक; बताया नेपाल में कितने भारतीय लापता? प्रमुख राजनीतिक नेताओं और संगठनों की ओर से दही हांडी कार्यक्रम आयोजित किए जाने के साथ ही इस बार के उत्सव में फिल्मी हस्तियों और बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। गोविंदा की टीमें ट्रॉफी और नकद पुरस्कारों के लिए एक-दूसरे से मुकाबला करेंगी।

सिक्किम में अधिक खतरे...

चुंगथांग बांध को भी तबाह कर दिया था, जो एक बड़ी जलविद्युत परियोजना का एक जरूरी हिस्सा है। गुरुवार को यहां जीएलओएफ जोखिम कम करने पर मीडियाकर्मियों के लिए एक कार्यशाला में प्रधान सचिव संदीप तांबे ने कहा कि ग्लेशियर झीलों में बदलावों पर नजर रखने के लिए रिमोट सेंसिंग और उपग्रहों से तस्वीरें ली जा रही हैं। उन्होंने कहा कि 40 ज्यादा खतरे वाली झीलों में से 16 श्रेणी ए (सर्वाधिक जोखिम), दो श्रेणी बी (उच्च जोखिम) और नौ श्रेणी सी (मध्यम से कम रिस्क) में हैं, जबकि 13 अब भी अवर्गीकृत हैं। कार्यशाला में मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के प्रेस सचिव यूगन तमांग ने कहा कि जीएलओएफ के खतरों को कम करने के लिए किए जा रहे वैज्ञानिक उपायों को बताने के लिए मीडिया को जागरूक करना बहुत जरूरी है। तमांग ने कहा कि सिक्किम के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को फरवरी 2025 में जीएलओएफ के खतरे के आकलन और उसे कम करने के अध्ययनों के लिए नोडल विभाग बनाया गया था। उन्होंने कहा कि राज्य देश के पहले विशिष्ट जीएलओएफ जोखिम न्यूनीकरण प्रोटोकॉल पर भी काम कर रहा है, जिसका मकसद ग्लेशियर बाढ़ के खतरों का आकलन करने, तैयारी करने और उन्हें कम करने के लिए एक मानक वैज्ञानिक रूपरेखा बनाना है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह दूसरे हिमालयी इलाकों के लिए भी एक मॉडल के रूप में काम कर सकता है।

शिक्षक दिवस की पूर्व ...

में मनाया जाता है। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन महान लेखक और दार्शनिक थे। वे एक अतुल्य शिक्षक भी थे। मैं, इस अवसर पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। मैं सभी समर्पित शिक्षकों के योगदान के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करती हूं। मैं कामना करती हूं कि सभी शिक्षक ऐसी प्रबुद्ध पीढ़ियों का निर्माण करें जो देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने मार्गदर्शन और सहयोग से विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार लाते हैं तथा उन्हें चरित्रवान भी बनाते हैं। शिक्षक का दायित्व है कि वह विद्यार्थी को एक अच्छे व्यक्ति में रूपांतरित करे। एक समर्पित और संवेदनशील शिक्षक विद्यार्थियों की विशिष्ट क्षमता की पहचान करता है, उनके लिए प्रेरणास्रोत बनता है और उन्हें अपने कार्यों में उत्कृष्टता हासिल करने में समर्थ बनाता है। शिक्षकों को प्रौद्योगिकी को अपनाते हुए निरंतर ज्ञान अर्जित करते रहना चाहिए तथा शिक्षण की नवीन पद्धतियों को भी अपनाना चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र सोच को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें विद्यार्थियों में जिज्ञासा का भाव विकसित करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि 5 सितंबर 1888 को जन्में डॉ. राधाकृष्णन से वर्ष 1962 में कुछ छात्रों और मित्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा जताई। तब उन्होंने कहा कि उनके जन्मदिन को अलग से मनाने के बजाय यदि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए तो यह उनके लिए ज्यादा गर्व की बात होगी। उसके बाद 5 सितंबर 1962 से देशभर में शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा। डॉ. राधाकृष्णन वर्ष 1962 से 1967 तक राष्ट्रपति रहे। इसके पहले 1952 से 1962 तक वह उपराष्ट्रपति थे।

देशभर में अगले ...

हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। दोपहर से शाम के समय भी कुछ जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश का एक और दौर हो सकता है। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 29-31 डिग्री सेल्सियस और 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। रविवार को भी हल्की बारिश की संभावना है। राजधानी का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 31-33 डिग्री सेल्सियस और 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। सोमवार को भी यही स्थिति बनी रहने का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआईर में शुक्रवार को हल्की से मध्यम बारिश होने से मौसम पहले से और अधिक सुहावना हो गया है। आईएमडी के मुताबिक उत्तरी मध्य प्रदेश के मध्य भागों और उससे सटे दक्षिणी उत्तर प्रदेश के ऊपर बने *वेल मार्क्ड लो-प्रेशर एरिया* (अच्छी तरह से चिह्नित कम दबाव वाले क्षेत्र) के कारण पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 5 सितंबर को बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। अगले 6-7 दिनों तक प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधि कम रहने की संभावना है। उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में 4-5 दिनों के दौरान भारी बारिश होने के आसार हैं। मध्य भारत के 6 सितंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में और 5-8 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। पूर्वी भारत में 4-8 सितंबर के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 4 सितंबर एवं 8-9 सितंबर के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में, 9 सितंबर को झारखंड में, 5-8 सितंबर के दौरान बिहार में और 9-10 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। पूर्वोत्तर भारत के अगले 6-7 दिनों के दौरान कहीं-कहीं भारी वर्षा का अनुमान है। पश्चिमी भारत और

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**

विकसित भारत समाचार

तापमान
अधिकतम 33⁰ न्यूनतम 25⁰

शनिवार, 5 सितंबर, 2026

सिलचर नगर निगम के चुनावी रण में भाजपा का शंखनाद

कछार (हिंस)। कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर के आगामी नगर निगम चुनाव के निकट आते ही पार्टी की चुनावी रणनीति, संगठनात्मक तैयारियों तथा भावी कार्ययोजना पर व्यापक और गहन विचार-विमर्श के उद्देश्य से आज कछार जिला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय में एक अत्यंत महत्वपूर्ण चुनाव-पूर्व तैयारी बैठक आयोजित की गई। असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व लोकसभा सांसद दिलीप सैकिया के नेतृत्व में आयोजित बैठक में शिलचर नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक हिस्से में पार्टी के संगठनात्मक आधार को और अधिक सुदृढ़ करने, मतदाताओं के साथ गहन, सतत और जीवंत जनसंपर्क स्थापित करने तथा केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकारों द्वारा किए गए विकासात्मक कार्यों और उपलब्धियों को सुव्यवस्थित ढंग से समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के विषय में व्यापक विचार-विमर्श किया गया। बैठक में सभी आठ मोर्चों के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मंडल महामंत्री तथा संगठन के विभिन्न स्तरों के कार्यकर्ता पहुंचे। आगामी चुनाव को केंद्र में रखते हुए प्रत्येक वार्ड तथा प्रत्येक मतदान केंद्र के स्तर पर संगठनात्मक तैयारी, सघन जनसंपर्क अभियान, सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार तथा मतदाताओं के बीच भाजपा के विकास-संदेश को व्यापक रूप से पहुंचाने के लिए अपनाई जाने वाली कार्ययोजना पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। सिलचर नगर निगम के इतिहास में पहली बार आयोजित होने जा रहे इस ऐतिहासिक चुनाव में भाजपा ने पूर्ण और निर्णायक बहुमत के साथ प्रचंड विजय अर्जित करने के अपने अडिग संकल्प को पुनः दोहराया। बैठक में यह रेखांकित किया गया कि पार्टी का सर्वोच्च लक्ष्य सिलचर को एक आधुनिक, स्वच्छ, सुव्यवस्थित, सुनियोजित, सक्षम प्रशासन वाला तथा सुदृढ़ आधारभूत संरचना से संपन्न महानगरीय शहर के रूप में विकसित करना है, जहां नागरिकों को उच्चस्तरीय सुविधाएं और बेहतर शहरी जीवन-मानक प्राप्त हों। बैठक में सिलचर के समग्र, सर्वांगीण और सतत विकास को सुनिश्चित करने तथा आगामी पांच वर्षों में प्रत्येक नागरिक को पारदर्शी, उत्तरदायी, जवाबदेह, संवेदनशील और जनोन्मुखी नगर प्रशासन के माध्यम से सेवा प्रदान करने का भी संकल्प लिया गया। शहर की सड़क एवं संपर्क व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, नाला-नालियों तथा जल-निकासी प्रणाली, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, यातायात व्यवस्था, शहर के सौंदर्यीकरण, सार्वजनिक स्वच्छता, स्वास्थ्यकर पर्यावरण तथा अन्य अनिवार्य नागरिक सुविधाओं के उन्नयन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता का आह्वान किया गया कि वे स्वयं को पार्टी का एक प्रत्याशी और उसके विचारों, सिद्धांतों तथा आदर्शों का प्रखर दूत मानते हुए अटूट निष्ठा, अनुशासन, एकजुटता और संगठनात्मक दृढ़संकल्प के साथ चुनावी अभियान में पूर्ण समर्पण से जुटें। साथ ही जनता और सम्मानित मतदाताओं के साथ सतत एवं आत्मीय संवाद स्थापित करने, उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को समझने तथा प्रत्येक मतदाता को भाजपा की नीति, विचारधारा, सुशासन और विकास के संकल्प से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। बैठक में बूथ स्तर तक प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता से सुसमन्वित, अनुशासित और मिशन-उन्मुख ढंग से कार्य करने का आह्वान किया गया। प्रत्येक परिवार से प्रत्यक्ष संपर्क स्थापित करने, केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से नागरिकों को अवगत कराने तथा प्रत्येक पात्र मतदाता को लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान केंद्र तक पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित और संगठित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री रविंद्र राजू, कछार जिला अध्यक्ष रूपम साहा, सिलचर नगर निगम चुनाव के प्रभारी एवं मंत्री कौशिक राय, सांसद परिमल शुक्लबैद्य एवं कनाड पुरकायस्थ, विधायक डॉ. राजदीप रॉय, राजदीप गोआला एवं किशोर नाथ सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पर्वतझोरा में भगवान शिव के विरुद्ध अश्लील टिप्पणी करने वाला युवक गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। सोशल मीडिया पर हिंदू धर्म और भगवान शिव के खिलाफ कथित तौर पर अश्लील एवं आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान बामुणीझोरा गांव निवासी धनंजय राभा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर भगवान शिव को लेकर युवक की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी वाली पोस्ट सामने आई थी। पोस्ट के सामने आने के बाद स्थानीय सनातन धर्मावलंबियों में भारी आक्रोश देखा गया। इस मामले को लेकर रूपसी पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित युवक को बंगाईगांव रेलवे स्टेशन से पकड़ लिया। वहीं काजीगांव पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर मामले के संबंध में पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है और सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है।

जर्जर सड़क : कलईगांव आंचलिक छात्र संघ का उग्र प्रदर्शन

उदालगुरी (हिंस)। मंगलदै-भूटियाचांग संपर्क मार्ग की बदहाल एवं जर्जर स्थिति को लेकर कलईगांव आंचलिक छात्र संघ ने शुक्रवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। लंबे समय से सड़क की मरम्मत एवं पुनर्निर्माण नहीं होने के कारण मार्ग के विभिन्न हिस्सों में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। इससे राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के शीघ्र पुनर्निर्माण की मांग को लेकर छात्र संघ के कार्यकर्ताओं ने सड़क अवरोध कर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और संबंधित विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मार्ग का जल्द से जल्द निर्माण कार्य पूरा करने की मांग उठाई। छात्र संघ का आरोप है कि सड़क की दयनीय स्थिति को लेकर बार-बार मांग उठाए जाने के बावजूद संबंधित अधिकारियों की ओर से स्थायी समाधान के लिए अब तक ठोस कदम नहीं उठाया गया है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़क का निर्माण कर यातायात की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में और व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू किया जाएगा।

खटखटी विवेकानंद केंद्र में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

कार्बि आंग्लांग (हिंस)। राज्य के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ बोकाजान के खटखटी स्थित विवेकानंद केंद्र में भी आज भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। विवेकानंद केंद्र खटखटी एवं बोकाजान टाउन यूनिट के संयुक्त तत्वावधान में दिनभर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिहानाम के भक्तिमय प्रस्तुतीकरण के साथ हुआ। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यार्थियों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्ने छात्र-छात्राओं की मनमोहक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम स्थल पर उत्साह और आनंद का माहौल बना दिया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों, कर्मों और जीवन-दर्शन पर भी प्रकाश डाला गया। दिनभर चले कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों एवं उपस्थित श्रद्धालुओं को श्रीकृष्ण के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया।

राइजोर दल से गठबंधन तोड़कर बदरुद्दीन अजमल के कंधों पर सवार होने की कांग्रेस की परोक्ष राजनीतिक साजिश : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), असम प्रदेश ने दावा किया है कि कांग्रेस पार्टी द्वारा हाल ही में राइजोर दल के साथ अपने गठबंधन को समाप्त किए जाने से संबंधित कुछ अत्यंत महत्वपूर्ण और विचारणीय तथ्य सामने आए हैं। भाजपा ने कहा कि पिछले असम विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने विशेष रूप से ऊपरी असम के स्वदेशी एवं मूलनिवासी मतदाताओं के मतों का विभाजन रोकने के कथित उद्देश्य से राइजोर दल के साथ गठबंधन किया था। किंतु असम के स्वाभिमानी मूलनिवासी समाज ने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन पर निर्णायक विश्वास व्यक्त करते हुए भारी जनादेश दिया और लगातार तीसरी बार असम में भाजपा-नीत गठबंधन सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त किया। उस चुनाव में भाजपा गठबंधन ने अभूतपूर्व चुनावी इतिहास रचते हुए 102 सीटों पर विजय प्राप्त की, जबकि कांग्रेस पार्टी मात्र 19 सीटों तक सिमटकर रह गई। यदि मध्य असम, उत्तरी असम और ऊपरी असम के चुनाव परिणामों का सूक्ष्म अवलोकन किया जाए, तो जनादेश की व्यापकता और स्पष्टता स्वयं प्रमाणित हो जाती है। ऊपरी असम की कुल 35 विधानसभा सीटों में से भाजपा-नीत गठबंधन ने 33 सीटों पर विजय प्राप्त की, उत्तरी असम की कुल 15 सीटों में से 14 सीटें अपने नाम कीं, जबकि मध्य असम की 19 सीटों में से 14 सीटों पर भाजपा गठबंधन ने ऐतिहासिक सफलता अर्जित की। जब असम की जनता ने कांग्रेस-राइजोर दल गठबंधन को स्पष्ट रूप से अस्वीकार कर दिया, तभी वह राजनीतिक स्वप्न चकनाचूर हो गया था, जिसे लेकर कांग्रेस ने राइजोर दल के साथ गठबंधन किया था। ऐसी परिस्थिति में कांग्रेस और राइजोर दल के गठबंधन का विघटन असम की राजनीति में न तो कोई अप्रत्याशित घटना है और न ही कोई असाधारण राजनीतिक घटनाक्रम; बल्कि यह जनता द्वारा पहले ही नकारे जा चुके एक असफल राजनीतिक प्रयोग का स्वाभाविक अंत मात्र है। किंतु आगामी नगांव लोकसभा उपचुनाव के संदर्भ में कांग्रेस पार्टी के लिए उसका वास्तविक राजनीतिक आत्मीय और स्वाभाविक सहयोगी अब मौलाना बदरुद्दीन अजमल की ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) प्रतीत होती है। पिछले विधानसभा चुनाव में स्वदेशी मतदाताओं को आकर्षित करने की राजनीतिक विवशता के कारण भले ही कांग्रेस ने एआईयूडीएफ के साथ औपचारिक गठबंधन नहीं किया हो, किंतु दोनों दलों के बीच लंबे समय से एक स्पष्ट, गहरा और पर्दे के पीछे चलने वाला राजनीतिक समझौता विद्यमान रहा है। इसी गुप्त राजनीतिक समझ के आधार पर, जब रिपुन बोरा असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष थे, तब मार्च 2020 में आयोजित राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस और एआईयूडीएफ के संयुक्त मतों के बल पर अजीत कुमार भुइयां को असम से राज्यसभा भेजा गया था। इसके बाद वर्ष 2021 के असम विधानसभा चुनाव में यही गुप्त समझ खुलकर औपचारिक गठबंधन के रूप में सामने आई। परंतु असम की जनता ने उस गठबंधन को भी पूरी दृढ़ता के साथ नकार दिया और राज्य के राजनीतिक इतिहास में नया अध्याय लिखते हुए लगातार दूसरी बार एक गैर-कांग्रेसी सरकार अर्थात भाजपा-नीत गठबंधन सरकार के पक्ष में जनादेश दिया। असम की राजनीति में कांग्रेस और एआईयूडीएफ के बीच गुप्त राजनीतिक सामंजस्य कोई नया घटनाक्रम नहीं है; वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव भी इस राजनीतिक समीकरण को स्पष्ट रूप से प्रमाणित करता है। उस चुनाव में धुबड़ी लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने अपने कई प्रभावशाली और मजबूत नेताओं की अनदेखी करते हुए अपेक्षाकृत कमजोर उम्मीदवार को मैदान में उतारा, जिसका प्रत्यक्ष राजनीतिक लाभ बदरुद्दीन अजमल को मिला और वे धुबड़ी से सांसद निर्वाचित हुए। ठीक इसी प्रकार, एआईयूडीएफ ने वर्तमान असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के विरुद्ध कलियाबोर लोकसभा क्षेत्र में अपना उम्मीदवार नहीं उतारा और इस प्रकार उन्हें चुनावी विजय दिलाने में परोक्ष रूप से सहयोग किया। इतना ही नहीं, एआईयूडीएफ ने नगांव लोकसभा क्षेत्र सहित कुल 11 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार खड़ा न करके कांग्रेस पार्टी को प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से चुनावी लाभ पहुंचाया। धुबड़ी और कलियाबर में दोनों दलों द्वारा एक-दूसरे को परोक्ष रूप से सहायता पहुंचाने के पीछे मूल राजनीतिक गणित अल्पसंख्यक मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति है। अल्पसंख्यक मुस्लिम मतों का विभाजन दोनों ही दलों के राजनीतिक हितों को नुकसान पहुंचाता है। इसलिए आगामी नगांव लोकसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी के लिए रायजोर दल की तुलना में एआईयूडीएफ का साथ कहीं अधिक चुनावी महत्त्व रखता है। यही कारण है कि कांग्रेस ने अब अखिल गोगोई का साथ छोड़कर बदरुद्दीन अजमल के कंधों पर सवार होने की बेचैनी दिखानी शुरू कर दी है। अपने राजनीतिक अस्तित्व, चुनावी गणित और तात्कालिक स्वार्थ की रक्षा के लिए कांग्रेस अब उसी एआईयूडीएफ की ओर तेजी से बढ़ती दिखाई दे रही है, जिससे दूरी बनाने का वह सार्वजनिक रूप से दिखावा करती रही है।

मिकिरभेटा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 33 मवेशी बरामद; दो गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। अवैध रूप से मवेशियों की तस्करी के खिलाफ मिकिरभेटा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 33 मवेशियों को बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर देर आज तड़के करीब 4-30 बजे विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान एएस-01केसी-0574 नंबर के एक ट्रक को रोककर तलाशी ली गई। पुलिस ने ट्रक से कुल 33 मवेशी बरामद किए। पुलिस ने मवेशियों के साथ कथित तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे ट्रक को भी जब्त कर लिया है। मामले में संलिप्तता के आरोप में दिलदार हुसैन (27) और अली अकबर (29) को गिरफ्तार किया गया। यह अभियान एसआई मानस ज्योति सैकिया के नेतृत्व में मिकिरभेटा पुलिस की टीम ने चलाया। दोनों गिरफ्तार किए गए आरोपितों को मिकिरभेटा पुलिस थाने लाकर पूछताछ की जा रही है।

राज्यपाल ने श्रीश्री सियाला वैष्णव देवमोनोंई सत्र का किया दौरा, जन्माष्टमी उत्सव में हुए शामिल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शुक्रवार को दरंग जिले में ऐतिहासिक श्रीश्री सियाला वैष्णव देवमोनोंई सत्र का दौरा किया और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के समारोह में भाग लिया। इस मौके पर भक्तों को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि दरंग असम की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत से समृद्ध है। उन्होंने वैष्णव आंदोलन और ऐतिहासिक पत्थरूघाट की लड़ाई के साथ इसके लंबे जुड़ाव को याद किया। जन्माष्टमी पर सभी भक्तों को बधाई देते हुए, आचार्य ने भगवान कृष्ण के दार्शनिक मूल्यों-जैसे धर्म, भक्ति, प्रेम, कल्याण और मानव उत्थान को आगे बढ़ाने में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव के गहरे प्रभाव और असम के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन में उनके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव और मानवीय एकता के बारे में शंकरदेव का समावेशी दृष्टिकोण आज भी बहुत प्रासंगिक है। राज्यपाल ने सत्रों और नामघरों को *हमारी संस्कृति के स्कूल, हमारी आध्यात्मिक चेतना के केंद्र, हमारी कला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक और सामाजिक सद्भाव के स्तंभ* बताते हुए कहा कि असम की सांस्कृतिक पहचान को बनाए रखने और युवा

पीढ़ी को उसकी जड़ों से जोड़े रखने में इनकी भूमिका बहुत अहम है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *विकास भी और विरासत भी* के विजन का जिक्र करते हुए आधुनिक विकास और सांस्कृतिक विरासत के बीच तालमेल बिठाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बटाद्रवा थान सांस्कृतिक परियोजना, मां कामाख्या मंदिर एक्सेस कॉरिडोर और लचित बरफुकन की विरासत के विकास और संरक्षण की पहल, विकास और विरासत दोनों को आगे बढ़ाने के प्रति असम की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। आचार्य ने युवाओं से असम की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं से ज़्यादा जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम होने के साथ-साथ मूल्यों और विरासत से भी जुड़ा रहना चाहिए। उन्होंने सत्रों और नामघरों की आध्यात्मिक भावना को समाज सेवा की व्यापक पहलों से जोड़ने के महत्व पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि जन्माष्टमी समाज को भगवान कृष्ण के सही काम, कर्तव्य, भक्ति और मानवता की सेवा के संदेश की याद दिलाती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि असम की आध्यात्मिक परंपराएं शांति, सद्भाव और सामाजिक एकता को मजबूत करती रहेंगी और *विकसित भारत* की यात्रा में योगदान देंगी। आचार्य ने ऐतिहासिक सत्र की समृद्ध वैष्णव विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने में अपनी भूमिका के लिए सत्राधिकार, भक्तों और स्थानीय लोगों को बधाई दी और श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम में पशुपालन और पशु चिकित्सा मंत्री नीलिमा देवी, विधायक डॉ. परमानंद राजबंशी, दरंग की जिला आयुक्त आयुषी जैन, श्री श्री शियाला वैष्णव देवमोनोंई सत्र के अध्यक्ष ध्रुवकांत शर्मा, देवमोनोंई डिग्री कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. गीताली कलिता, सत्र के सत्राधिकार और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। साझेदार संगठनों में गुगल एआई, आईआईटी मद्रास-बोधन एआई, एलईएचएस-वाधवानी एआई, फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली (एजुकेट गर्ल्स), एकस्टेप-एक्सएल, कैनवा शिक्षा शामिल हैं।

नगांव के पूर्व डीसी के विरुद्ध उच्च-स्तरीय जांच की मांग

सांसद रकीबुल हुसैन ने ईसीआई को सबूतों के साथ जरूरी पत्र सौंपा

गुवाहाटी (हिंस)। नगांव लोकसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव से पहले, धुबड़ी के सांसद रकीबुल हुसैन ने भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को दस्तावेजी सबूतों के साथ एक जरूरी पत्र सौंपा है। इसमें नगांव के पूर्व जिला आयुक्त (डीसी) और जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) देवाशीष शर्मा के कामकाज की तत्काल उच्च-स्तरीय जांच की मांग की गई है। असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के जरिए भेजे गए इस पत्र में, सांसद ने चुनावी प्रक्रिया की शुचिता, निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग से तत्काल दखल देने का आग्रह किया। 30 अगस्त को की गई अपनी पिछली शिकायत का जिक्र करते हुए, हुसैन ने कहा कि नगांव उपचुनाव में शर्मा के संभावित राजनीतिक उम्मीदवार बनने को लेकर मीडिया में काफ़ी चर्चा और खबरें सामने आई हैं। सांसद ने कहा कि ऐसे हालात में, सरकारी नौकरी से अधिकारी का अचानक इस्तीफ़ा या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वीआरएस) इस मामले को बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण बनाती है। हुसैन का तर्क है कि चल रही चुनावी प्रक्रिया के बीच सार्वजनिक पद छोड़ने का इस्तेमाल जांच से बचने या अधिकार का इस्तेमाल करते हुए किए गए प्रशासनिक कार्यों के लिए जवाबदेही से बचने के लिए नहीं किया जा सकता। डीसी-सह-डीईओ के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान, शर्मा ने चुनाव प्रशासन के कई अहम और संवेदनशील पहलुओं को संभाला था, जिनमें ईवीएम प्रबंधन, लॉजिस्टिक्स, मतदान केंद्र की व्यवस्था, कर्मचारियों की तैनाती, परिवहन और चुनाव की कुल तैयारी शामिल थी। इसलिए, सांसद ने आयोग से आग्रह किया कि वह शर्मा की देखरेख में लिए गए चुनाव से जुड़े सभी अहम फैसलों और आदेशों की समीक्षा और जांच करे, ताकि यह पक्का किया जा सके कि आने वाले उपचुनाव का नतीजा और उसकी निष्पक्षता पूरी तरह से सुरक्षित रहे। इसके अलावा, पत्र में ग्राम पंचायत स्तर पर 15वें वित्त आयोग के फंड के इस्तेमाल और आवंटन में प्रशासनिक प्रभाव के कथित दुरुपयोग के बारे में गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हुसैन ने आरोप लगाया कि शर्मा के प्रभाव में और उनके सुझाए गए लोगों के जरिए, जिला परिषद के कुछ मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और ब्लॉक विकास अधिकारियों (बीडीओ) ने स्थापित नियमों और कानूनों का उल्लंघन करते हुए 15वें वित्त आयोग के फंड से जुड़े कामों को अंजाम दिया। तथ्यों का पता लगाने के लिए एक स्वतंत्र और व्यापक वित्तीय और प्रशासनिक ऑडिट की मांग करते हुए, हुसैन ने ईसीआई से यह भी आग्रह किया कि वह सभी संबंधित आधिकारिक फाइलों, इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, मूवमेंट रजिस्टर और पत्राचार को तुरंत सुरक्षित रखने के निर्देश जारी करे, ताकि सबूतों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो या वे खो न जाएं।

धुबड़ी : विभिन्न मंदिरों श्रीकृष्ण जनाष्टमी की धूम

धुबड़ी (विभास)। पूरे देश राज्य के साथ-साथ धुबड़ी में भी श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। शहर के कई मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। शहर के राधा गोविंद जुगल किशोर मंदिर, पुराना ठाकुरबाड़ी आदि मंदिरों में भक्तों का भीड़ देखा गया। इस दौरान उक्त मंदिरों में पूरा सजावट की गई। इसके अलावा मंदिरों में भक्तों ने कीर्तन-भजीन कार्यकरम चलाया। आज दोपहर को बाजारों में खरीददारी भी देखी गई।

होजाई में विद्या भारती की राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता का आयोजन

होजाई (निसं)। अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान *विद्या भारती* के तत्वावधान में आगामी 8, 9, 10 और 11 अक्टूबर 2026 को होजाई के गीता आश्रम में राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर 2 सितंबर को गीता आश्रम परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में विद्या भारती के पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, क्षेत्रीय खेल प्रमुख रंजीत सैकिया सहित होजाई के खेलप्रेमी, व्यवसायी, समाज सेवी और सेवानिवृत्त शिक्षक समेत 100 से अधिक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित सभी लोगों ने होजाई में इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के आयोजन को एक अत्यंत गौरव का विषय बताया और इसे भव्य एवं सफल बनाने का संकल्प लिया। इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 450 छात्र-छात्राएं (खिलाड़ी) और 50 खेल संचालक व कार्यकर्ता भाग लेंगे। कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए बैठक में समाजसेवी एवं पूर्व खिलाड़ी कमल दत्त देव की अध्यक्षता में एक स्वागत समिति (अभ्यर्थना समिति) का गठन किया गया है।।

रंगिया : विश्व हिंदू परिषद का 62वां स्थापना दिवस और जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम से आयोजित, निकली भव्य शोभायात्रा

रंगिया (विभास)। उत्तर कामरूप जिला विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के तत्वावधान में 4 सितंबर को पुब रंगिया प्रगति संघ (रंगिया मुरारा) परिसर में विश्व हिंदू परिषद का 62वां स्थापना दिवस एवं भगवान श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। सुबह प्रारंभ हुए इस भव्य आयोजन के तहत धार्मिक चर्चा सभा, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव तथा एक विशाल धार्मिक सांस्कृतिक शोभायात्रा समेत विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अनुष्ठान व पूजन कार्यक्रम की शुरुआत विहिप उत्तर कामरूप जिला के अध्यक्ष रंजन कुमार वैश्य द्वारा धर्म ध्वजारोहण के साथ सुबह 9 बजे हुई। इसके पश्चात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) कामरूप जिला के प्रचारक पंकज कलिता तथा सह-संघचालक खनिंद्र कलिता द्वारा

विधिवत गो-माता का पूजन संपन्न किया गया। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित धर्मलोचनी (धार्मिक चर्चा) सभा में आरएसएस असम क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक वशिष्ठ बुजरबरुआ मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। सभा में उपस्थित वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, धर्म-रक्षा, सामाजिक समरसता तथा समाज में नैतिक मूल्यों के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने समाज में एकजुटता और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया। जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, आदर्शों और संदेशों का स्मरण करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को सत्य, धर्म, न्याय, कर्तव्य और मानवता के मार्ग पर चलने का आह्वान किया गया। इस कार्यक्रम के समापन के उपरांत श्रद्धालुओं की व्यापक सहभागिता के साथ एक भव्य धार्मिक सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा का शुभारंभ रंगिया के विधायक भवेश कलिता ने धर्म ध्वज दिखाकर किया। शोभायात्रा के माध्यम से भारतीय संस्कृति, धार्मिक एकता और सामाजिक सौहार्द का संदेश जन-जन तक पहुंचाया गया। अपराह्न 2 बजे श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद व भोग का वितरण किया गया, जबकि संध्या 6-30 बजे मुख्य पूजा-अर्चना का शुभारंभ हुआ। आयोजन समिति तथा उत्तर कामरूप जिला विश्व हिंदू परिषद ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए क्षेत्र के श्रद्धालुओं, युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा सभी धर्मप्रेमी नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

जवाब दे चुनाव आयोग

चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एक बार फिर चर्चा में नहीं, सवालों और विवादों में हैं। देश की राजधानी दिल्ली में करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के राज्य महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। फिलहाल ड्राफ्ट सूची जारी हुई है। अभी लोगों के पास वक्त है कि वे आपत्ति और दावे दर्ज करा सकते हैं और मताधिकार के मौलिक अधिकार की रक्षा कर सकते हैं। दिल्ली में कुल मतदाता 1.45 करोड़ से अधिक थे, जिनमें से अब 97.53 लाख से कुछ अधिक ही नई सूची में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली के तुगलकाबाद में 47.85 फीसदी मतदाताओं के नाम पर 'लाल लाइन' फेर दी गई है। ओखला, बदरपुर, कस्तूरबा नगर में भी 40-45 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। राजधानी दिल्ली कोई सीमावर्ती क्षेत्र नहीं है, लिहाजा बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों की संभावनाएं नगण्य हैं। जो बंगाली लोग दिल्ली में बसे हैं और वहां निरंतर काम कर रहे हैं, वे लंबे समय से दिल्ली में ही हैं। उनके मतदाता पहचान-पत्र भी बने हुए हैं और वे चुनावों में मतदान करते रहे हैं। दिल्ली में फरवरी-मार्च, 2025 में विधानसभा चुनाव हुए थे, संभवतः उन्होंने भी मतदान किया होगा, जिनके नाम अब एसआईआर में काट दिए गए हैं। जिन इलाकों में 40-47.8 फीसदी तक वोटर सूची से बाहर कर दिए गए हैं, वे भी विधानसभा क्षेत्र हैं, जाहिर है कि वहां भी वोट दिए गए होंगे और विधायक भी चुने गए हैं। क्या वे सभी 'फर्जी' जन-प्रतिनिधि हैं? इसका जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। उसने कुछ वर्गीकरण स्पष्ट किए भी हैं, लेकिन वे पर्याप्त और स्पष्ट नहीं हैं। काम या नौकरी के लिए कोई भी व्यक्ति बाहर जा सकता है। क्या उसकी अनुपस्थिति दिखा कर उसका मताधिकार छीना जा सकता है? महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव नवंबर, 2024 में हुए हैं। वहां करीब 9.78 करोड़ मतदाताओं ने विधानसभा के लिए मताधिकार का प्रयोग किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 9 करोड़ से अधिक मतदाता थे, लेकिन अब एसआईआर के बाद ड्राफ्ट सूची में 7.71 करोड़ मतदाताओं के ही नाम दर्ज किए गए हैं। अर्थात 2.07 करोड़ मतदाता, किसी भी कारण से, 'फर्जी' करार दे दिए गए हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र की घटनाएं, मताधिकार छीनने की कवायद, कोई सामान्य बात नहीं है। बेशक संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदाता सूची के अधीक्षण, निर्देशन, नियंत्रण का अधिकार दिया गया है, तो अनुच्छेद 326 में प्रत्येक वयस्क भारतीय नागरिक को मताधिकार का मौलिक अधिकार भी प्राप्त है। उसे चुनाव आयोग कैसे छीन सकता है? एसआईआर की अभी तक कवायद में 6 करोड़ से अधिक मतदाताओं का मौलिक अधिकार छिन चुका है। सरकार की तो आंखें मिची हैं, क्योंकि उसकी पार्टी चुनाव-दर-चुनाव जीत रही है। कमोबेश सर्वोच्च अदालत तो निर्णायक हस्तक्षेप करे और नागरिकों को इस 'संवैधानिक आघात' से बचाए। यहां पश्चिम बंगाल का उल्लेख करना भी प्रासंगिक है। वहां इसी मई, 2026 में विधानसभा चुनाव हुए हैं और भाजपा की पहली बार सरकार बनी है। चुनाव से पहले एसआईआर के तहत 27.16 लाख मतदाताओं को 'तार्किक विसंगति' श्रेणी में रखा गया था। यह श्रेणी किसी अन्य राज्य में नहीं बनाई गई। बहरहाल सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर ट्रिब्यूनल गठित किए गए। बीते दिनों तक 82,782 मामले ट्रिब्यूनल ने निपटाए हैं, जिनमें से 75,443 मतदाताओं के नाम और दावे सही पाए गए। गौरतलब यह है कि मालदा, उत्तर 24 परगना सरीखे क्षेत्रों में 100 फीसदी नाम सही पाए गए, लेकिन वे मतदाता वोट नहीं डाल पाए। बंगाल में कुल 91 फीसदी मतदाता सही पाए गए, जिनके नाम काट दिए गए थे, लेकिन विडंबना है कि करीब 7 लाख लोगों ने ही आपत्तियां और अपने दावे दर्ज कराए हैं। शेष 20 लाख कथित मतदाता कौन हैं, वे कहां हैं, आपत्तियां दर्ज क्यों नहीं कराईं? गंभीर सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग इतना खुदमुख्तार है कि 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दे और यह देश के सामने स्पष्ट न हो कि इतने व्यापक स्तर पर संवैधानिक मताधिकार क्यों छीन लिए गए? बिंदुवार जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। विपक्ष की कई पार्टियां इस मसले पर सवाल उठा रही हैं। लोकतंत्र में बेहतर यही होता है कि विपक्ष की आवाज को भी सुना जाए। चुनाव आयोग को यह भी प्रमाणित करना है कि उसने ये नाम दल विशेष की इच्छा पर नहीं हटाए हैं। चुनाव आयोग अगर यह प्रमाणित न कर पाया कि उसने सत्ता पक्ष के लाभ के लिए ऐसा नहीं किया है, तो उस पर लगे आरोपों को मजबूती मिलेगी। चुनाव आयोग को जल्द से जल्द इस मसले पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

देश की राजधानी दिल्ली में करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के राज्य महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। फिलहाल ड्राफ्ट सूची जारी हुई है। अभी लोगों के पास वक्त है कि वे आपत्ति और दावे दर्ज करा सकते हैं और मताधिकार के मौलिक अधिकार की रक्षा कर सकते हैं। दिल्ली में कुल मतदाता 1.45 करोड़ से अधिक थे, जिनमें से अब 97.53 लाख से कुछ अधिक ही नई सूची में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली के तुगलकाबाद में 47.85 फीसदी मतदाताओं के नाम पर 'लाल लाइन' फेर दी गई है। ओखला, बदरपुर, कस्तूरबा नगर में भी 40-45 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। राजधानी दिल्ली कोई सीमावर्ती क्षेत्र नहीं है, लिहाजा बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों की संभावनाएं नगण्य हैं। जो बंगाली लोग दिल्ली में बसे हैं और वहां निरंतर काम कर रहे हैं, वे लंबे समय से दिल्ली में ही हैं। उनके मतदाता पहचान-पत्र भी बने हुए हैं और वे चुनावों में मतदान करते रहे हैं। दिल्ली में फरवरी-मार्च, 2025 में विधानसभा चुनाव हुए थे, संभवतः उन्होंने भी मतदान किया होगा, जिनके नाम अब एसआईआर में काट दिए गए हैं। जिन इलाकों में 40-47.8 फीसदी तक वोटर सूची से बाहर कर दिए गए हैं, वे भी विधानसभा क्षेत्र हैं, जाहिर है कि वहां भी वोट दिए गए होंगे और विधायक भी चुने गए हैं।

भारत में हाल ही के समय में कर संग्रहण में भी सराहनीय सुधार हुआ

अर्थ के लगभग समस्त क्षेत्रों में भारत की प्रगति अतुलनीय है

भारत में भी कुछ वर्गों को भारतीय अर्थव्यवस्था में आए इस उछाल पर आश्चर्य हो रहा है एवं वे यह विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर बिगड़े हुए हालातों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था कैसे बनी रह सकती है। इस तरह के प्रशन्नों का उत्तर पाने के लिए हाल ही के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तनों को हमें समझना होगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2026) के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की गई है, इसमें अर्थव्यवस्था के समस्त क्षेत्रों का योगदान स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। उक्त वृद्धि दर किसी एक विशेष कारण के चलते सम्भव नहीं हुई है। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.2 प्रतिशत की रही है, निर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत से बढ़कर 7.7 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 8 प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत, निजी उपभोग में 6.8 प्रतिशत से बढ़कर 7.1 प्रतिशत, सकल पूंजी निर्माण में 5.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.9 प्रतिशत, वित्तीय क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत, व्यापार, होटेल एवं यातायात के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत, कृषि के क्षेत्र में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है। इसी अवधि में सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी 80.32 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 88.27 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। इस प्रकार के विकास को विस्तृत आधार वाला विकास कहा जाता है। किसी भी देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि का आश्य यह है कि उस देश में आर्थिक गतिविधियाँ तेजी पकड़ रही हैं। आर्थिक गतिविधियों के बढ़ने से उस देश में कर संग्रहण की राशि में भी वृद्धि दृष्टिगोचर होनी चाहिए। भारत में हाल ही के समय में कर संग्रहण में भी सराहनीय सुधार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण माह अगस्त 2026 में 14.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2 लाख करोड़ रुपए के स्तर तक पहुंच गया है। आंतरिक वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.37 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंचा है तो वहीं आयात वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 0.62 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। इसी प्रकार, आय कर की विवरणी फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और वित्तीय वर्ष 2025-26 वर्ष के लिए आय कर की विवरणी फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या 7.80 करोड़ के स्तर को पार कर गई है, जो पिछले वर्ष 7.30 करोड़ के स्तर तक ही पहुंच सकी थी। अन्य देशों में सकल घरेलू उत्पाद में दर्ज की गई वृद्धि दर की तुलना यदि भारत में दर्ज हुई वृद्धि दर से करते हैं तो ध्यान में आता है कि भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत की रही है, सिंगापुर में 5.9 प्रतिशत, चीन में 4.3 प्रतिशत, दक्षिणी कोरीया में 3.7 प्रतिशत, अमेरिका में 2.1 प्रतिशत, यूनाइटेड किंगडम में 2.1 प्रतिशत, जर्मनी में 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में औसत वृद्धि दर लगभग 3 प्रतिशत की रही है। इसी कारण से यह कहा जा रहा है कि पूरे विश्व में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। और तो और, भारत ने अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (विश्व व्यापार संगठन, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, ऐशियन विकास बैंक) द्वारा पूर्व में दिए गए अनुमानों से भी आगे बढ़कर आर्थिक विकास दर को हासिल किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था एवं भारतीय अर्थशास्त्रियों ने 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त समस्त अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए भारत ने आर्थिक विकास किया है। भारतीय कम्पनियों द्वारा अपने व्यवसाय एवं लाभप्रदता में हासिल की गई वृद्धि दर से भी यह झलकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक तरह से अपने सुनहरे दौर से गुजर रही है। निजी गैर वित्तीय कंपनियों के परिचालन लाभ में आकर्षक 19.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। स्टॉक मार्केट में सूचिबद्ध विनिर्माण इकाईयों के परिचालन लाभ में 21.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। यात्री वाहनों की जुलाई 2026 माह में बिक्री 34.3 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ 4.58 लाख इकाईयों के स्तर को पार कर गई है। ट्रैक्टर की बिक्री भी 28.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 1.17 लाख इकाईयों के स्तर से ऊपर रही है। दो पहिया वाहनों की बिक्री 28.3 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई और यह 18.18 लाख इकाईयों के स्तर से ऊपर निकल गई है। डिजिटल भुगतान की संख्या में 16.6 प्रतिशत की वृद्धि एवं राशि में 18.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। जुलाई 2026 माह में ही बिजली की मांग में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। डीजल की खपत में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। उक्त समस्त आंकड़ों से यह सिद्ध होता है कि भारत में आर्थिक गतिविधियाँ अपने चरम स्तर पर पहुंच रहीं हैं और इनमे आकर्षक वृद्धि दर लगातार बनी हुई है। इसी के चलते ही भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर होते हुए दिखाई दे रही है। इस आलेख में दिए गए आकड़ों को किसी एक संस्थान ने नहीं जारी किया है बल्कि अलग अलग विभिन्न संस्थानों द्वारा इन्हें जारी किया गया है और यह भारत के विकास को एक ही दिशा में अर्थात ऊपर की ओर जाता हुआ दिखा रहे हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक जो अभी तक भारत के पूंजी बाजार से अपने निवेश को निकाल रहे थे उन्होंने भारत के शेयर बाजार में जुलाई 2026 माह में 210 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं अगस्त 2026 माह में 310 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है, जबकि मार्च से जून 2026 की अवधि में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से 2700 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निकाल ली थी। हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि विदेश संस्थागत निवेशक भारतीय पूंजी बाजार में लौट आए हैं, परंतु इस संदर्भ में ट्रेंड तो परिवर्तित होता हुआ दिखाई दे रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के शेयर बाजार से 1.53 लाख करोड़ रुपए की राशि निकाली थी। स्ट्रेट ओफ होर्मुज लगातार कुछ माह तक बंद रहा है, तुलनात्मक रूप से तेल के बहुत कम जहाज इस मार्ग से निकल पाए हैं जिससे कच्चे तेल की आपूर्ति बहुत बड़े स्तर पर प्रभावित रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत सहित विश्व के कई देशों द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात के उत्पादों पर भारी मात्रा में आयात कर लगाए हैं। उक्त वर्णित समस्त विपरीत परिस्थितियों के बीच न केवल भारत सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हो रही है बल्कि भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी आकर्षक वृद्धि दर्ज हो रही है, और निर्यात के क्षेत्र में भी भारतीय उत्पाद धूम मचाते हुए दिखाई दे रहे हैं। जुलाई 2026 माह में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात 57.4 प्रतिशत से बढ़ा है, केमिकल उत्पादों का निर्यात 14.4 प्रतिशत बढ़ा है, मशीनरी एवं इक्विप्मेंट उत्पादों का निर्यात 12.1 प्रतिशत बढ़ा हैं, पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 16.1 प्रतिशत बढ़ा है, बिजली के इक्विप्मेंट का उत्पाद 28.3 प्रतिशत से बढ़ा है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2026) के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की गई है, इसमें अर्थव्यवस्था के समस्त क्षेत्रों का योगदान स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। उक्त वृद्धि दर किसी एक विशेष कारण के चलते सम्भव नहीं हुई है। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.2 प्रतिशत की रही है, निर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत से बढ़कर 7.7 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 8 प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत, निजी उपभोग में 6.8 प्रतिशत से बढ़कर 7.1 प्रतिशत, सकल पूंजी निर्माण में 5.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.9 प्रतिशत, वित्तीय क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत, व्यापार, होटेल एवं यातायात के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत, कृषि के क्षेत्र में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है। इसी अवधि में सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी 80.32 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 88.27 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। इस प्रकार के विकास को विस्तृत आधार वाला विकास कहा जाता है।

देश | दुनीया से

लचित बडफूकन-बंदा बहादुर का योगदान

पिछले दिनों मुझे दो अलग-अलग स्थानों पर दो सेमिनारों में शिरकत करने का अवसर प्राप्त हुआ। मंडी गोविंदगढ़ के देशभगत विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र के कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में बंदा बहादुर पर सेमिनार थे। इसी प्रकार असम में वहां के सीमांत चेतना मंच की ओर से अढ़ाई साल तक चले लंबे युद्ध में औरंगजेब की सेना को ब्रह्मपुत्र के तट पर सराय घाट में परास्त कर देने वाले महान सेनापति लचित बडफूकन के बारे में सेमिनार रखा गया था। बंदा बहादुर ने तो पंजाब में सोनीपत से लेकर सरहिंद तक के बड़े इलाके में से मुगल शासन को समाप्त कर वहां गुरु नानक देव जी के नाम से खालसा राज की स्थापना ही कर दी थी। अपने एक हुकमनामा में वह इसको सतयुग कहता है। उसकी युद्ध नीति सचमुच गहरे अध्ययन का विषय है। लेकिन इतिहास में या विश्वविद्यालयों के रक्षा व युद्धनीति विभागों में महान सेनापतियों की सूची में उसका नाम नहीं है। अलबत्ता पूजा स्थानों पर उसका नाम जरूर लिया जाता है या फिर उसके नाम पर पूजा घर बना लिए गए हैं। यही स्थिति लचित बडफूकन की है। यदि बडफूकन औरंगजेब की सेना को उस समय परास्त न कर पाते तो पूरा पूर्वोत्तर भारत ही नहीं, पूरा दक्षिण पूर्व एशिया भी इस्लाम में जा चुका होता। लेकिन शेष भारत की बात तो दूर, लचित बडफूकन को पूर्वोत्तर भारत के ही कई राज्यों के विद्यार्थी नहीं जानते। कुछ साल पहले जब भारत सरकार ने पहली बार दिल्ली के विज्ञान भवन में लचित बडफूकन को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया था, तो दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के छात्र ही पूछ रहे थे कि बडफूकन कौन था। यह इस देश का दुर्भाग्य है कि हम यूरोप के दसियों महान सेनापतियों के नाम तो गिना सकते हैं, लेकिन अपने देश के उन सेनापतियों के जिन्होंने अरबों, तुर्कों और मुगलों के विदेशी साम्राज्य को धूल चटा दी थी, उनका हमारे इतिहास के पाठ्यक्रमों में कहीं स्थान नहीं है। इसका कारण क्या हो सकता है? सबसे बड़ा कारण तो यही हो सकता है कि जिन मुगलों को पंजाब में बंदा बहादुर ने और असम में लचित बडफूकन ने पराजित किया था, उनके इतिहासकार और दरबारी इतिहास लिखने वाले भला बडफूकन या बंदा बहादुर का गुणगान कैसे कर सकते थे? उसके बाद अंग्रेज आ गए। वे भारतीय सेनापतियों के रणचातुर्य को कैसे महिमामंडित कर सकते थे? इन दोनों ही कारणों से भारत के ये महान सेनापति हाशिए पर चले गए। लेकिन अंग्रेजों के चले जाने के बाद भी ये सेनापति इतिहास के हाशिए पर ही कैसे रहे? वामपंथी इतिहासकार तो बहुत ही उच्च स्वर से दावा करते थे कि वे राजाओं का नहीं, बल्कि सामान्य जन का इतिहास लिखेंगे। इतिहास के केन्द्र में आम आदमी रहेगा, न कि राजा और नवाब। उसके बाद भी ये दोनों महान सेनापति उपेक्षित ही रहे। दरअसल वाममार्गी इतिहासकारों की दुविधा यह रही कि उन्होंने अरबों, तुर्कों व मुगल आक्रमणकारियों को विदेशी मानने के स्थान पर उन्हें देसी भारतीय बताना, लिखना और सिखाना शुरू कर दिया। इतिहास सिखाने और लिखाने का काम पंडित नेहरु ने मौलाना अबुल कलाम को ही दे दिया, वे पहले शिक्षा मंत्री थे। अब मुगलों से लडने वाले और उन्हें हराने वाले लचित बडफूकन और बंदा बहादुर भारत के जननायक कैसे हो सकते थे। भारत सरकार तो इरफान हबीब के पिता से किताब लिखवा रही थी जिसमें महमूद गजनवी को नायक स्थापित किया जा रहा था। ओडिशा के उस समय के राज्यपाल विशंबर नाथ पांडे औरंगजेब को भारत का सर्वश्रेष्ठ शासक सिद्ध करने को किताब छपवा रहे थे। बंदा बहादुर का मामला तो और भी उपेक्षित था। समकालीन या बाद के ईरानी इतिहासकारों द्वारा अपनी पुस्तकों में दिए गए छिटपुट प्रसंगों के अलावा बंदा बहादुर का किसी ने जिक्र नहीं किया। मुगल इतिहासकारों ने जाहिर है बंदा बहादुर को नकारात्मक तरीके से ही प्रस्तुत किया। निर्मला पंथ के साहित्यकारों के ग्रन्थों में जरूर उनका जिक्र मिल जाता है। महाराजा रणजीत सिंह के स्वर्गवास के बाद जब अंग्रेजों ने पंजाब/सप्तसिन्धु पर कब्जा कर लिया, तो ब्रिटिश सरकार ने पंजाब का इतिहास लिखने के लिए कुछ लोग इस काम में लगाए। गुरु सिंह सभा का जन्म भी इसी अंग्रेजी काल खंड में हुआ। गुरु सिंह सभा से प्रेरित विद्वानों ने भी पंजाब का इतिहास लिखना या लिखवाना शुरू किया। लेकिन इन प्रयासों में भी बंदा बहादुर उपेक्षित ही रहा। इसका श्रेय करम सिंह हिस्टोरियन को जाता है कि उन्होंने सबसे पहले 'बंदा सिंह बहादुर' नाम से एक छोटी सी पुस्तिका लिखी। यह आश्चर्य की बात है कि चीफ खालसा दीवान ने इसे 1905 में प्रकाशित किया। इसे पंजाब में बंदा सिंह बहादुर के व्यक्तित्व को लेकर लिखी गई पहली पुस्तक कहा जा सकता है। इसके बाद दूसरी पुस्तक भाई मति दास जी, जिन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के साथ दिल्ली के चांदनी चौक में देश और धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया था, के वंशज भाई परमानंद जी ने 'वीर वैरागी' नाम से पुस्तक लिखी। लेकिन अब तक ब्रिटिश साम्राज्य ने पंजाब में हिंदू-सिख का विवाद खड़ा कर दिया था। इसलिए उन विवादों के केन्द्र में बंदा सिंह बहादुर भी घेर लिया गया। बंदा बहादुर खालसा पंथ में दीक्षित होने से पहले वैष्णव पंथ व बाद में नाथ पंथ में था। वैष्णव पंथ में दीक्षित होने के कारण वह वैरागी विशेषण से प्रसिद्ध था। इसलिए बंदा बहादुर को लेकर सारी विद्वता इसी को लेकर सिमटने लगी कि क्या बंदा बहादुर को वैरागी लिखा जाए या खालसा लिखा जाए। इसके साथ ही यह विवाद भी गहराने लगा कि क्या वैष्णव पंथ और नाथ पंथ की उसकी जीवन यात्रा को जीवन संघर्ष से पलायन माना जाए? भाई परमानंद जी बंदा बहादुर को वैरागी लिखा करते थे।

आप का | नजरीया

तुरत-फुरत का कारोबार

हाल के वर्षों में देश में खरीदारी का परिदृश्य, ई-कॉमर्स के चलते पूरी तरह बदल गया है। कह सकते हैं कि इसकी अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण दौर में पहुंच रही है। जिसकी पुष्टि हाल ही में सामने आई शोध परामर्शदात्री 'इन्फिसम' की नवीनतम रिपोर्ट में उजागर होती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस क्षेत्र में वर्ष 2024 में होने वाले 125 अरब डॉलर के कारोबार के मुकाबले साल 2030 तक इसके लगभग तीन गुना यानी 345 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जो ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आ रहे बदलावकारी परिदृश्य को ही दर्शाता है। निस्संदेह, इस कारोबार विस्तार में बदलाव का यह मापदंड प्रभावशाली है, लेकिन इसकी रफ्तार के साथ इसका लंबे समय तक टिके रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसमें दो राय नहीं कि देश में क्विक कॉमर्स ग्रोथ के एक महत्वपूर्ण इंजन के तौर पर उभर रहा है। आज स्थिति यह है कि इसके नेटवर्क देश के 475 से अधिक शहरों तक पहुंच चुके हैं। जो यह दर्शाता है कि दैनिक उपभोग की वस्तुओं की तेजी से डिलीवरी अब महज बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है। दरअसल, यह बदलाव जनसंख्या के स्वरूप के अलावा भौगोलिक स्तर पर भी हो रहा है। नई पीढ़ी इस तुरत-फुरत खरीदारी की मुरीद है। सर्वे बताते हैं कि देश में ऑनलाइन खरीदारों में वह पीढ़ी काफी आगे है, जिसे आज जेन-ज़ी के नाम से संबोधित किया जाता है। उसके पास सामान का ऑर्डर करने और उसे पाने में इंतजार करने का समय नहीं है। बताया जाता है कि ऑनलाइन खरीदारी में जेन-ज़ी की भागीदारी लगभग एक तिहाई है। ऐसे में भरोसा किया जा रहा है कि इस दशक के अंत तक वे डिजिटल खर्च करने वाले सबसे बड़े ग्रुप बन जाएंगे। बाजार के जानकार मान रहे हैं कि ई-कॉमर्स की अगली लहर किसी सीमा तक छोटे शहरों, स्थानीय पसंद, स्थानीय भाषाओं में कंटेंट और सस्ते लॉजिस्टिक पर भी निर्भर करेगी। हालांकि, परंपरागत बाजार इसे अपने अस्तित्व के लिये बड़ी चुनौती मान रहा है। नई पीढ़ी के ग्राहक मोबाइल पर उत्पाद की कीमतें छानकर परंपरागत दुकानदारों से भाव-तौल करने में आगे हैं। उन्हें पता होता है कि किसी उत्पाद की ऑनलाइन कीमत क्या है और दुकान में वह सामान किस भाव मिल रहा है। निस्संदेह, इस ई-कॉमर्स के विस्तार से हमारा परंपरागत बाजार प्रभावित हुआ है। कई मॉलों व परंपरागत बाजारों में पहले जैसी रौनक नहीं रह गई है। लेकिन ई-कॉमर्स का एक लाभ यह भी है कि लोगों को भीड़-भाड़ व ट्रैफिक जाम में फंसने के बजाय आसानी से वक्त-बेवक्त सामान घर पर उपलब्ध हो जाता है। निस्संदेह, ई-कॉमर्स ने बाजार में प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा दिया है। कई ई-कॉमर्स कंपनियां कड़े कंप्टीशन का सामना कर रही हैं। इस बाजार में ब्लिंकइट अब भी सबसे आगे है। इस दौड़ में फिर जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट भी शामिल हैं। इस ई-कॉमर्स बाजार में पहले से मौजूद रिटेलर्स और आने वाले प्रतियोगी अपने डार्क-स्टोर नेटवर्क को बढ़ा रहे हैं। जिसका मकसद कार्यप्रणाली में तेजी लाकर मुनाफा बढ़ाना है। आने वाले समय में तकनीक इस सेक्टर में बड़े परिवर्तन ला सकती है। उम्मीद करें कि भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग से रिटेल की उत्पादकता में काफी सुधार होगा। बहुत संभव है कि आने वाले समय में एआई शॉपिंग असिस्टेंट, कन्वर्सेशनल कॉमर्स और वर्चुअल ट्राई-ऑन से ग्राहकों के उत्पाद खोजने का तरीका बदल सकता है। लेकिन विकास दर को सिर्फ ऑर्डर, स्टोर या डिलीवरी के समय के आधार पर नहीं मापा जा सकता है। इसमें नियमन की जरूरतें और मुनाफे का दबाव अभी भी एक गंभीर चिंता है। देश में गिग इकॉनमी का तेजी से विस्तार तो हुआ है, लेकिन वर्कर के मेहनताने व सामाजिक सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। देश में ई-कॉमर्स के इस मौके का स्वागत तो करना चाहिए, लेकिन सिर्फ ग्रोथ के पीछे भागना ही लक्ष्य न हो। असली परीक्षा बिजनेस तकनीकी इनोवेशन और ग्राहकों की सुविधा के साथ स्थायी आर्थिकी की होगी। साथ ही रोजगार के विश्वसनीय अवसरों के साथ ज्यादा लोगों तक पहुंचा जा सके।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस क्षेत्र में वर्ष 2024 में होने वाले 125 अरब डॉलर के कारोबार के मुकाबले साल 2030 तक इसके लगभग तीन गुना यानी 345 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जो ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आ रहे बदलावकारी परिदृश्य को ही दर्शाता है। निस्संदेह, इस कारोबार विस्तार में बदलाव का यह मापदंड प्रभावशाली है, लेकिन इसकी रफ्तार के साथ इसका लंबे समय तक टिके रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसमें दो राय नहीं कि देश में क्विक कॉमर्स ग्रोथ के एक महत्वपूर्ण इंजन के तौर पर उभर रहा है। आज स्थिति यह है कि इसके नेटवर्क देश के 475 से अधिक शहरों तक पहुंच चुके हैं। जो यह दर्शाता है कि दैनिक उपभोग की वस्तुओं की तेजी से डिलीवरी अब महज बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है। दरअसल, यह बदलाव जनसंख्या के स्वरूप के अलावा भौगोलिक स्तर पर भी हो रहा है। नई पीढ़ी इस तुरत-फुरत खरीदारी की मुरीद है। सर्वे बताते हैं कि देश में ऑनलाइन खरीदारों में वह पीढ़ी काफी आगे है, जिसे आज जेन-ज़ी के नाम से संबोधित किया जाता है। उसके पास सामान का ऑर्डर करने और उसे पाने में इंतजार करने का समय नहीं है। बताया जाता है कि ऑनलाइन खरीदारी में जेन-ज़ी की भागीदारी लगभग एक तिहाई है। ऐसे में भरोसा किया जा रहा है कि इस दशक के अंत तक वे डिजिटल खर्च करने वाले सबसे बड़े ग्रुप बन जाएंगे।

कुछ | अलग

आज़ादी का पुरस्कार

बात उन दिनों की है, जब देश में रेलों का चलन नहीं हुआ था। उस्ताद आलिया और फत्तू एक माह तक पैदल चलकर निजाम हैदराबाद के दरबार में अपना गायन सुनाने पहुंचे। उस्ताद का गायन शुरू हुआ। रसिकजन रस-सागर में डूबने-उतराने लगे। गायन की समाप्ति पर निजाम ने उस्ताद को एक लाख रुपये भेंट दिए और कहा, 'उस्ताद, आज महफ़िल पूरे उभार पर नहीं आई।' उस्ताद ने पुरस्कार लौटाते हुए कहा, 'हुजूर बांधे बनियां बाजार नहीं लगता गाना हमारी तबियत से सुनिये, तभी आपको मजा आयेगा।' इस बात पर निजाम ने उस्ताद को शाही मेहमान खाने में ठहरा दिया। एक माह अन्तराल के बाद एक दिन उस्ताद अपने साथी सहित तानपुरा पर राग छेड़ रहे थे। तानपुरा छेड़ते हुए दीन-दुनिया से बेखबर उस्ताद सड़कों पर अपनी पूरी मस्ती के साथ गाते हुए चल दिये निजाम के पास। सिपाहियों ने हैरत में निजाम को इत्तिला दी मेहमान खाने में ठहरे गवैये पागल हो गये है।

दृष्टि | कोण

शिक्षक की सफलता का प्रमाणपत्र कौन देता है?

मुझे आज भी अच्छी तरह याद है। हम दस दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण में भाग ले रहे थे। प्रशिक्षण के बीच 5 सितंबर आ गया- शिक्षक दिवस। उस दिन स्रोत व्यक्ति के रूप में एक विश्वविद्यालय के प्रो. चांसलर हमारे बीच आए। उन्होंने मंच संभाला, सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं और अपने शिक्षक जीवन के अनुभव सुनाने लगे। उनकी बातों में उपलब्धियों की चमक थी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में पढ़ाए उनके विद्यार्थी आज बड़े-बड़े पदों पर हैं- कोई प्रशासन में ऊंचे ओहदे पर है, कोई डॉक्टर है, कोई इंजीनियर तो कोई बैंकर। वर्षों बाद जब वे विद्यार्थी उनसे मिलते हैं और सम्मानपूर्वक उनके पैर छूते हैं, तो उन्हें अपने शिक्षक होने पर गर्व होता है। उनकी बात गलत नहीं थी। सचमुच, शिक्षक के लिए इससे सुखद क्या होगा कि उसका विद्यार्थी जीवन में आगे बढ़े और सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचकर भी अपने शिक्षक को याद रखे। फिर भी, उस दिन उनके शब्दों के बीच से एक दूसरा प्रश्न लगातार सिर उठाता रहा- क्या शिक्षक की सफलता का सबसे विश्वसनीय प्रमाण उसके विद्यार्थियों की ऊंची कुर्सियां हैं? शायद उनका ऐसा कोई आशय न रहा हो, लेकिन उनकी बातों की टोन और भाव-भंगिमाओं से कहीं-कहीं यह अहसास जरूर हुआ कि जैसे बड़ी उपलब्धियों वाले विद्यार्थी शिक्षक की सफलता का प्रमाणपत्र हैं। तब मन अनायास उन शिक्षकों की ओर चला गया जिनके पास ऐसा कोई प्रमाणपत्र नहीं होता। वे शिक्षक जो हिमाचल के किसी दूरस्थ पहाड़ी गांव के छोटे-से स्कूल में अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उनके विद्यालय तक पहुंचने के लिए पक्की सडक नहीं होती। बरसात में उफनते नाले और फिसलन भरी पगडंडियां रास्ता रोकती हैं। सर्दियों की सुबहें इतनी ठंडी होती हैं कि बिस्तर छोडना ही किसी परीक्षा से कम नहीं लगता, लेकिन स्कूल का दरवाजा फिर भी समय पर खुलता है। कभी एक कमरे में दो-तीन कक्षाओं के बच्चे साथ बैठते हैं, कभी साधन कम पड़ जाते हैं और कभी पाठ्यपुस्तक से अधिक बच्चों की परिस्थितियों को पढना पड़ता है। वह शिक्षक भी पढ़ाता है। साल दर साल, पीढ़ी दर पीढ़ी। उसके विद्यार्थी भी बड़े होते हैं, लेकिन उनकी सफलता की खबर शायद किसी अखबार में नहीं छपती। कोई खेती संभाल लेता है, कोई सेना में चला जाता है, कोई ड्राइवर बनता है, कोई कारीगर या छोटा दुकानदार। कोई शहर में नौकरी करता है, कोई मजदूरी और कोई गांव में रहकर अपना परिवार पालता है। अब शिक्षक दिवस के किसी मंच पर उससे पूछा जाए- 'आपके कितने विद्यार्थी बड़े अधिकारी बने?' वह क्या जवाब देगा? उसके पास शायद आईएएस, डॉक्टर, इंजीनियर या बड़े बैंक अधिकारी विद्यार्थियों की सूची न हो। न पुरस्कारों की लंबी फेहरिस्त। न किसी चमकदार मंच की तस्वीर। तो क्या वह शिक्षक कम सफल है? नहीं। शायद हमारी सफलता की परिभाषा ही छोटी है। हमने शिक्षा को भी बाजार के तराजू पर तौलना शुरू कर दिया है। बड़ा पद, बड़ी सफलता। बड़ा वेतन, बड़ी उपलब्धि। बड़ी कुर्सी, बड़ा विद्यार्थी। और बड़ा विद्यार्थी, बड़ा शिक्षक। लेकिन शिक्षा का काम केवल बड़ी कुर्सियां भरना नहीं है। वह बच्चा जो कक्षा में सबसे पीछे बैठता था और आज अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास करता है, क्या वह शिक्षक की उपलब्धि नहीं? वह लडकी जिसे किसी शिक्षक ने पहली बार यह विश्वास दिलाया कि गांव की बेटी भी सपने देख सकती है, क्या उसके भीतर पैदा हुआ आत्मविश्वास किसी पद से छोटा है? वह बच्चा जो गरीबी के कारण स्कूल छोडने वाला था और शिक्षक के भरोसे से पढ़ाई जारी रख सका- क्या उसकी जिंदगी में आया यह बदलाव किसी नियुक्ति-पत्र से कम महत्वपूर्ण है? और वह विद्यार्थी जो वर्षों बाद गांव में मिलकर कहता है- 'मास्टर जी, आपने उस समय मुझे डांटा न होता तो मैं आज यहां नहीं होता।'

बीएल संतोष कर रहे भाजपा संगठन का हेल्थ चेक : निकाय से 2028 तक रणनीति पर मंथन

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में निकाय चुनाव के बीच भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने शुक्रवार को प्रदेश संगठन की चुनावी तैयारियों का बारीकी से *हेल्थ चेक* किया। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में निकाय चुनाव संचालन समिति की बैठक में जिलेवार प्रभारियों से चुनावी स्थिति का फीडबैक लिया गया। टिकट वितरण के बाद उपजे असंतोष, बागियों और निर्दलीय प्रत्याशियों की भूमिका, बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता और चुनावी प्रबंधन पर विस्तार से मंथन हुआ। बैठक में संतोष ने साफ संदेश दिया कि प्रत्याशी कमजोर हो तब भी पार्टी अपने अधिकृत प्रत्याशी का साथ नहीं छोड़ेगी। स्थानीय समीकरण या बोर्ड बनाने की संभावना के नाम पर निर्दलीय को समर्थन देने का सवाल ही नहीं है। बैठक में एक नेता की ओर से कुछ परिस्थितियों में बोर्ड बनाने के लिए निर्दलीय

प्रत्याशी का समर्थन करने का सुझाव दिया गया। इस पर संतोष ने स्पष्ट किया कि किसी स्थानीय समीकरण के लिए पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी को कमजोर नहीं किया जा सकता। संगठन की पूरी ताकत अधिकृत प्रत्याशी के पीछे लगनी चाहिए। टिकट वितरण के बाद जहां बगावत और नाराजगी सामने आई है, वहां डैमेज कंट्रोल और कार्यकर्ताओं को फिर से प्रत्याशी के पक्ष में लामबंद करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कुछ सांसदों की निकाय चुनाव में अपेक्षित सक्रियता नहीं होने का मुद्दा उठाया। इस पर संतोष ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में सांसदों की महत्वपूर्ण भूमिका है और उन्हें पूरी तरह चुनावी गतिविधियों में सहयोग करना चाहिए। चुनाव में किसी भी स्तर की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इससे साफ है कि केंद्रीय संगठन ने स्थानीय चुनाव में सांसदों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं की सक्रियता को भी निगरानी के दायरे में रखा है। पार्टी ने चुनावी माहौल को अपने पक्ष में करने के लिए नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिकाओं में युवा और महिला सम्मेलन आयोजित करने की योजना बनाई है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में विशेष एससी-एसटी सम्मेलन भी होंगे। इनके जरिए अलग-अलग सामाजिक वर्गों तक सीधा संपर्क बढ़ाने, पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने और स्थानीय स्तर पर संगठन को सक्रिय करने की रणनीति तैयार की गई है। संतोष का जयपुर दौरा केवल निकाय चुनाव तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित प्रमुख नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें कर संगठन और सरकार के बीच तालमेल, बूथ स्तर की स्थिति और चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया। प्रदेश महामंत्रियों और प्रमुख पदाधिकारियों से भी संगठन की स्थिति पर जानकारी ली गई। निकाय चुनाव संचालन समिति की बैठक में मौजूदा चुनावी स्थिति की समीक्षा के साथ आगे होने वाले पंचायतीराज चुनाव और 2028 विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक रोडमैप पर भी मंथन हुआ। मंत्रियों और विधायकों की अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रियता, कार्यकर्ताओं से संवाद और सरकार की योजनाओं का लाभ जनता तक पहुंचने की स्थिति भी समीक्षा के दायरे में रही। पार्टी के प्रवक्ताओं और पैनलिस्ट के साथ संवाद में सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। भाजपा निकाय चुनाव को स्थानीय सत्ता हासिल करने के साथ संगठन की जमीनी ताकत के परीक्षण के रूप में भी देख रही है।

विकास की नई राह तलाशने 19 सांसदों ने किया नालंदा विश्वविद्यालय का दौरा

नालंदा (हिंस)। नालंदा की प्राचीन ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा और पर्यटन से जोड़कर पूरे क्षेत्र के विकास की नई राह तलाशने शुक्रवार को 19 सांसदों की टीम यहां पहुंची। परिवहन, पर्यटन एवं संस्कृति संबंधी संयुक्त संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष संजय झा के नेतृत्व में आए सांसदों ने नालंदा विश्वविद्यालय का जायजा लिया। चर्चा का केंद्र सिर्फ विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि नालंदा को अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन और शिक्षा के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की संभावनाएं रहीं। सांसदों ने विश्वविद्यालय के पर्यावरण अनुकूल परिसर, आधुनिक सुविधाओं, शिक्षा व्यवस्था और भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। विश्वविद्यालय के कुलपति सचिन चतुर्वेदी ने बताया कि आगामी नालंदा विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक, विदेशी छात्रों के साथ बिहार के स्थानीय विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने और विश्वविद्यालय को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने पर चर्चा हुई।

मोदी-योगी के नेतृत्व में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा : नृत्य गोपाल दास

अयोध्या (हिंस)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं श्रीमणीराम दास छावनी मन्दिर के महंत नृत्य गोपाल दास ने भरोसा जताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थल पर भव्य मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा। महंत नृत्य गोपाल दास बीते कई वर्षों से लगातार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि पर उपस्थित होकर कृष्ण लला का अभिषेक करते रहे हैं। इस बार वह मथुरा नहीं जा पाए हैं। स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने मथुरा जाने का कार्यक्रम स्थगित किथा है। स्वास्थ्य खराब होने के चलते अपने आश्रम पर आराम कर रहे हैं। मथुरा नहीं जा पाने के लिए उन्होंने खेद व्यक्त किया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं श्रीमणीराम दास छावनी मन्दिर के महंत नृत्य गोपाल दास ने पत्र लिख कृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण में कारसेवा की इच्छा प्रकट की है। पत्र में उन्होंने लिखा है कि अगर अखाड़ा परिषद के नेतृत्व में साधु-संत कार सेवा करेंगे तो वे भी सहभागी बनेंगे। उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि स्थल पर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

अन्त्योदय कार्ड की जांच में सामने आया फर्जीवाड़ा

जोधपुर (हिंस)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अंत्योदय श्रेणी का लाभ लेने वाले परिवारों की जांच में जिले में बड़ा मामला सामने आया है। जांच के दौरान 196 ऐसे राशन कार्ड सामने आए हैं, जिनके अंत्योदय श्रेणी में चयन से संबंधित वैध दस्तावेज आवेदन के साथ नहीं मिले। ये परिवार पहले बीपीएल, स्टेट बीपीएल और एपीएल श्रेणी में दर्ज थे और ई-मित्र के माध्यम से अंत्योदय श्रेणी का लाभ लेने के लिए आवेदन किया था। मामला सामने आने के बाद खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने संबंधित राशन कार्डधारियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। जिला रसद अधिकारी द्वितीय जोधपुर ने बताया कि संबंधित परिवार यदि निर्धारित अवधि में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करवाते हैं तो उनसे अब तक प्राप्त गेहूं की राशि 32 रुपए प्रति किलो की दर से वसूल की जाएगी। विभाग की ओर से राशन कार्डो की पात्रता की जांच के दौरान दस्तावेजों का सत्यापन किया गया, जिसमें इन 196 कार्डों में अंत्योदय श्रेणी के लिए जरूरी प्रमाण नहीं पाए गए। जिला रसद अधिकारी द्वितीय जोधपुर ने बताया कि शेरगढ़ से 91, बालेसर 10, सेखाला से 45, औसिया से 16, तिंवरी से 17, भोपालगढ से 12 तथा चामू से 05 श्रेणी परिवर्तन के मामले सामने आये है। इस तरह जिला जोधपुर (द्वितीय) में कुल 196 कार्ड जांच के दायरे में आए हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत सामान्य एपीएल और बीपीएल परिवारों को प्रति सदस्य प्रतिमाह 5 किलो गेहूं दिया जाता है। वहीं अंत्योदय परिवार को प्रति राशन कार्ड 35 किलो गेहूं प्रतिमाह उपलब्ध कराया जाता है। ऐसे में अंत्योदय श्रेणी में शामिल होने पर मिलने वाले खाद्यान्न की मात्रा अलग निर्धारित होती है। इसी कारण विभाग की ओर से अंत्योदय श्रेणी में शामिल परिवारों की पात्रता और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि विभागीय निर्देशों के अनुसार इन परिवारों का गेहूं वितरण फिलहाल बंद कर दिया है और उन्हें स्पष्टीकरण नोटिस जारी किए हैं। संबंधित परिवारों को नोटिस प्राप्त होने के सात दिन के भीतर जिला रसद कार्यालय में उपस्थित होकर अंत्योदय श्रेणी में चयन से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। उन्होंने बताया कि विभाग ने केवल राशन कार्डधारियों को ही नहीं, बल्कि ई-मित्र संचालकों को भी स्पष्ट निर्देश दिए है। ई-मित्र संचालकों को केवल वैध दस्तावेजों के आधार पर ही अंत्योदय श्रेणी के आवेदन करवाने के लिए पाबंद किया है। जांच में किसी ई-मित्र संचालक की ओर से बिना वैध दस्तावेज के आवेदन करवाने या नियमों की अनदेखी की बात सामने आती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

वर्तमान सरकार भगवान राम-कृष्ण, बाबा विश्वनाथ और मां विंध्यावासिनी पर रखती है आस्था : योगी आदित्यनाथ

मथुरा (हिंस)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचकर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट तक जन्मस्थान परिसर में रहे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं और कहा कि ब्रज को लोगों की भावनाओं के अनुरूप विकसित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि मथुरा, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन और वृंदावन का विकास श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाओं के अनुसार किया जाएगा। अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार को जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पूर्वाह्न 9-55 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे। मुख्यमंत्री रहते 20वीं बार जन्मस्थान आए योगी ने सबसे पहले यहां गर्भगृह में लाला के दर्शन किए। पूरे गर्भगृह की दीवारों को चांदी की परत लगाकर सजाया गया। यहां की अद्भुत छटा को योगी निहारते रहे। काफी देर तक उन्होंने गर्भगृह में विराजे लाला को निहारा। यहां श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उसके उपरांत मुख्यमंत्री योगी ने योगमाया मंदिर,

केशवदेव मंदिर और फिर भागवत भवन में पहुंचे जहां उन्होंने युगल सरकार की पूजा अर्चना की। उसके उपरांत उन्होंने श्रद्धालुओं के समक्ष घोषणा की कि मथुरा, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन और वृंदावन का विकास श्रद्धालुओं की आस्था और भावनाओं के अनुरूप किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रजवासियों को सम्मान देने के लिए वे हर जन्माष्टमी पर मथुरा आते हैं, जबकि पिछली सरकारें अपने वोट बैंक के डर से यहां आने से कतराती थीं। उन्होंने कहा कि पहले जहां जवाहर बाग जैसी घटनाएं होती थीं, वहीं अब ब्रज में रंगोत्सव और ब्रजराज उत्सव का आयोजन होता है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वर्तमान सरकार भगवान राम, कृष्ण, बाबा विश्वनाथ और मां विंध्यवासिनी पर आस्था रखती है, जबकि पिछली सरकारों की आस्था बाबर और औरंगजेब में थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे लोग समाज में जहर घोलने, महिलाओं, अन्नदाताओं और उद्यमियों को कमजोर करने का प्रयास करते हैं लेकिन डबल इंजन की सरकार उनके मंसूबों को कभी सफल नहीं होने देगी। भगवान कृष्ण के संदेश का जिक्र करते हुए उन्होंने सभी से कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने और देश को विकसित भारत बनाने में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर यूपी ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, गन्ना विकास मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, महापौर विनोद अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, पूर्व मंत्री व विधायक श्रीकांत शर्मा, पूरन प्रकाश, मेघश्याम सिंह, राजेश चौधरी, विधान परिषद सदस्य ओमप्रकाश सिंह, योगेश चौधरी सहित जिलाधिकारी सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

रवनीत बिट्टू के नशे से जुड़े वीडियो पर विवाद, पंजाब पुलिस ने बताया *फर्जी*

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में नशे के मुद्दे को लेकर एक बार फिर सियासी विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता रवनीत सिंह बिट्टू के सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो को लेकर पंजाब पुलिस ने दावा किया है कि वीडियो में दिख रहा युवक उस समय नशे की हालत में नहीं था और उसने सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने के लिए यह वीडियो बनाया था। बिट्टू ने वीडियो साझा करते हुए पंजाब सरकार पर निशाना साधा और राज्य में नशे की स्थिति को लेकर सवाल उठाए। यह वीडियो पिछले करीब 48 घंटों से बिट्टू के सोशल मीडिया खातों पर वायरल हो रहा था। वीडियो में लुधियाना के दुगरी इलाके में एक सिख युवक को कथित तौर पर नशे की हालत में दिखाया गया था। पुलिस ने वीडियो वायरल होने के बाद युवक की पहचान कर उसे मॉडल टाउन इलाके से ट्रेस किया। सहायक पुलिस आयुक्त एसएस चीमा ने बताया कि युवक की उम्र करीब 30 वर्ष है और वह पहले नशे का आदी रहा था, लेकिन काफी समय पहले उसने *चिट्टा* लेना छोड़ दिया था। पुलिस का दावा है कि पूछताछ के दौरान युवक ने बताया कि उसने अपने एक दोस्त के साथ मिलकर सोशल मीडिया पर अधिक व्यू पाने के उद्देश्य से यह वीडियो बनाया था। पुलिस अधिकारी के अनुसार युवक इससे पहले भी सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाता रहा है। हालांकि पुलिस ने अभी अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला है। युवक का चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वीडियो रिकॉर्ड किए जाने के समय उसने कोई नशीला पदार्थ लिया था या नहीं। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। पंजाब पुलिस का कहना है कि इस तरह की अपुष्ट वीडियो राज्य में नशे की स्थिति को लेकर भ्रामक तस्वीर पेश कर सकते हैं। पुलिस ने विशेष रूप से 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले ऐसी सामग्री साझा करने को लेकर सतर्कता बरतने की बात कही है।

राज्य उपभोक्ता आयोग का दो बीमा कंपनियों के विरुद्ध आदेश पारित

जोधपुर (हिंस)। राज्य उपभोक्ता आयोग की जोधपुर पीठ ने महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा कि यदि बीमित व्यक्ति की मृत्यु का संबंध किसी पूर्व बीमारी से नहीं होकर स्वाभाविक मृत्यु हुई है, तो बीमा कंपनी केवल पूर्व में हुई बीमारी का हवाला देकर बीमा दावा अस्वीकार नहीं कर सकती। आयोग ने बजाज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी की अपील खारिज करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय को सही माना। मामले में बजाज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने सिरोही जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय के विरुद्ध राज्य आयोग में अपील प्रस्तुत की थी। बीमा कंपनी का कहना था कि बीमित तलकराम जून 2012 से दिसंबर 2012 तक क्षय रोग से पीड़ित रहा था। वर्ष 2015 में बीमा पॉलिसी लेते समय उसने इस बीमारी की जानकारी छिपाई थी। वर्ष 2015 में उसकी मृत्यु के बाद इसी आधार पर बीमा दावा अस्वीकार किया गया। वहीं बीमित के पुत्र की ओर से आयोग को बताया गया कि उनके पिता ने दिसंबर 2012 तक करीब छह माह तक क्षय रोग का उपचार जरूर लिया था, लेकिन उपचार के बाद वे पूरी तरह स्वस्थ हो गए थे और उनका वजन भी बढ़ गया था। जनवरी 2015 में बीमा पॉलिसी ली गई थी तथा पिता की मृत्यु स्वाभाविक रूप से हुई थी। इसलिए परिवार करीब 11 लाख रुपए की दावा राशि पाने का अधिकारी है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छावाहा एवं सदस्य लियाकत अली ने अपने निर्णय में कहा कि बीमित की मृत्यु का संबंध पूर्व बीमारी से होने का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है। बीमा कंपनी की ओर से वर्ष 2012 के बाद बीमित द्वारा बीमारी का कोई उपचार करवाए जाने संबंधी दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किया गया। जांच अधिकारी की ओर से किसी चिकित्सक अथवा एएनएम के बयान या शपथपत्र भी पेश नहीं किए गए। आयोग ने इन तथ्यों के आधार पर बीमा कंपनी की अपील अस्वीकार करते हुए जिला उपभोक्ता आयोग के निर्णय को बरकरार रखा और बीमा दावा देने के आदेश को सही माना।

मनी लांड्रिंग मामले में दारा सिंह और गुरदर्शन सिंह को तीन-तीन साल की सजा

मोहाली (हिंस)। मोहाली की विशेष पीएमएलए अदालत ने दारा सिंह और गुरदर्शन सिंह को मनी लांड्रिंग के अपराध में दोषी करार देते हुए तीन-तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोनों पर पांच-पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। यह मामला 1.230 किलोग्राम कोकीन की बरामदगी से जुड़े मादक पदार्थ तस्करी प्रकरण से संबंधित है। ईडी ने पंजाब पुलिस में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर मनी लांड्रिंग की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान सामने आया कि दोनों आरोपियों का संबंध प्रतिबंधित मादक पदार्थ से जुड़े लेन-देन से था। बाद में दोनों को एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत भी दोषी ठहराया गया। ईडी की जांच में 6 लाख रुपए और 4 लाख रुपए के दो चेक भी सामने आए, जिनकी कुल राशि 10 लाख रुपए थी। जांच एजेंसी के मुताबिक इन चेकों का संबंध मादक पदार्थों से जुड़े कथित लेन-देन से था। विशेष अदालत ने 3 सितंबर को दोनों आरोपियों को धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 की धारा 3 के तहत मनी लांड्रिंग का दोषी माना, जो धारा 4 के तहत दंडनीय है। अदालत ने अपने फैसले में यह भी माना कि बरामद मादक पदार्थ और 10 लाख रुपए के दोनों चेक पीएमएलए के तहत *संपत्ति* की परिभाषा में आते हैं और इन्हें *अपराध से अर्जित आय* माना जा सकता है, क्योंकि इनका संबंध अनुसूचित अपराध से उत्पन्न आपराधिक गतिविधि से था। ईडी के अनुसार यह फैसला इस बात को महत्वपूर्ण रूप से स्थापित करता है कि मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े वित्तीय लेन-देन और उनसे अर्जित संपत्ति भी मनी लांड्रिंग कानून के दायरे में आ सकती है। फिलहाल अदालत के आदेश के बाद दोनों दोषियों को सजा भुगतनी होगी।

चेतावनी के बावजूद 84 शहरों में 500 सफाई कर्मचारियों ने कराया सामूहिक मुंडन

दो दिन मंत्रियों के आवास व कैंप कार्यालयों पर झाड़ू प्रदर्शन का एलान

चंडीगढ़(हिंस)। हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश हड़ताली सफाई कर्मचारियों को काम पर लौटने की अंतिम चेतावनी दिए जाने के बावजूद शुक्रवार को कर्मचारियों ने संघर्ष तेज करने का ऐलान कर दिया। विरोध स्वरूप प्रदेश के 84 शहरों में प्रदर्शन करते हुए 500 से अधिक कर्मचारियों ने सामूहिक मुंडन करवाया। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री और हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंह ने कहा कि हड़ताल तोड़ने के उद्देश्य से सरकार एक के बाद एक धमकी भरे पत्र जारी कर रही है। टर्मिनेशन, निलंबन, मुकदमे और गिरफ्तारी जैसे हथकंडे अपनाकर सरकार ने सिद्ध कर दिया है कि उसके पास कर्मचारियों की जायज मांगों का कोई जवाब नहीं है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि वे किसी भी धमकी

अथवा उत्पीड़न के सामने झुकने वाले नहीं हैं। दोनों नेताओं ने ऐलान किया कि आंदोलन के अगले चरण में 5 और 6 सितंबर को हरियाणा सरकार के सभी मंत्रियों के आवासों एवं कैंप कार्यालयों पर झाड़ू प्रदर्शन किए जाएंगे। इन प्रदर्शनों के माध्यम से मंत्रियों से पूछा जाएगा कि वर्ष 2014 में सफाई कर्मचारियों को पक्का करने का किया गया वादा 12 वर्ष बाद भी पूरा क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सफाई एवं सीवर कर्मचारी वर्षों से ठेकेदारों का शोषण झेल रहे हैं। बेहद कम वेतन और रोजगार की असुरक्षा के कारण उनके परिवार भुखमरी के कगार पर हैं। सरकार ने विभिन्न विभागों और पदों पर नियमित भर्तियां की हैं, लेकिन सफाई कर्मचारियों के साथ लगातार भेदभाव किया जा रहा है। सफाई कर्मचारियों के रिक्त पदों पर पक्की भर्ती करने और ठेका प्रथा समाप्त करने के बजए सरकार आंदोलन को दबाने में लगी हुई है। नरेश कुमार शास्त्री और राजेंद्र सिंह ने दोहराया कि जब तक सरकार 13 मई को स्वीकार की गई सभी 17 मांगों के लिखित आदेश जारी कर उन्हें लागू नहीं करती तब तक यह हड़ताल जारी रहेगी।

गंगा के बढ़ते जलस्तर से बाढ़ को लेकर प्रशासन अलर्ट, अधिकारियों की छुट्टियां रद्द

बक्सर (हिंस)। जिले में बढ़ते गंगा जलस्तर और बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी साहिला की अध्यक्षता में बाढ़-आपदा की समीक्षा बैठक हुई। इसमें सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड में रहने और प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत-बचाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए तत्काल प्रभाव से संबंधित अधिकारियों और कर्मियों का अवकाश रद्द कर दिया गया है। जिला पदाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार भ्रमण कर स्थिति पर नजर रखने तथा राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया। वहीं, सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को शाम चार बजे के बाद नाव परिचालन पर रोक लगाने को कहा गया है। जरूरत के अनुसार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक रसोई शुरू करने का भी निर्देश दिया गया। सड़क संपर्क बाधित होने की स्थिति से निपटने के लिए पथ निर्माण विभाग और ग्रामीण कार्य विभाग को बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कर आवागमन बहाल करने को कहा गया। वहीं, प्रभावित इलाकों में माइकिंग के जरिए लोगों को बाढ़ के दौरान *क्या करें और क्या न करें* की जानकारी देने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सिविल सर्जन को पर्याप्त हैलोजन टैबलेट, आवश्यक दवाएं और एंटी-वेनम उपलब्ध रखने तथा जरूरत पड़ने पर बोट एंबुलेंस संचालित करने का निर्देश दिया गया। बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल को फ्लड फाइटिंग की सभी तैयारियां पूरी रखने और आवश्यक सामग्री संवेदनशील स्थलों पर उपलब्ध कराने को कहा गया। कृषि विभाग को प्रभावित फसलों के क्षति आकलन, जबकि पशुपालन विभाग को जरूरत के अनुसार पशु चारा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। शिक्षा विभाग को प्रभावित क्षेत्रों के विद्यालयों की टैगिंग करने को कहा गया। पीएचईडी को चलंत शौचालय और पेयजल की व्यवस्था, जबकि बिजली विभाग को प्रभावित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की स्थिति का आकलन कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश मिला। बक्सर और डुमरांव अनुमंडल में तत्काल नियंत्रण कक्ष स्थापित करने तथा पुलिस अधिकारियों को प्रभावित इलाकों में नियमित गश्ती करने को कहा गया। साथ ही जलजमाव वाले क्षेत्रों में साफ-सफाई और एंटी-लार्वा का छिड़काव कराने का निर्देश दिया गया।

नटखट कान्हा और चुलबुली राधिका ने मोहा मन

जयपुर (हिंस)। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर पिंकसिटी प्रेस क्लब में *नटखट कान्हा-चुलबुली राधिका बाल गोपाल प्रतियोगिता* आयोजित हुई। प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा और महासचिव राजकुमार शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता संयोजक निखलेश शर्मा के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में क्लब सदस्यों के बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। करीब 30 नन्हे कान्हा और राधिकाओं ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने *बोल राधा बोल, वो कृष्णा है, राधिका गौरी से, मैया मेरी मैं नहीं माखन खाया, छोटी-छोटी गैय्या, छोटे-छोटे ग्वाल* सहित विभिन्न ब्रज गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर सभागार में मौजूद सदस्यों का मन मोह लिया। बच्चों ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मंचन भी किया, जिससे माहौल कृष्णमय हो गया। प्रतियोगिता में निर्णायक आयुषी शेखावत, नवल किशोर डांगी और अनिल मारवाड़ी ने विभिन्न आयु वर्गों में विजेताओं का चयन किया। 0-5 वर्ष वर्ग में अंश प्रथम, ईरा द्वितीय और श्रेयांश तृतीय रहे। 5-10 वर्ष वर्ग में भाविका प्रथम, जीया द्वितीय और ख्याति तृतीय तथा 10-15 वर्ष वर्ग में परी टिंकर प्रथम, हिमांगी द्वितीय और कनिका-इशिता तृतीय स्थान पर रहीं। प्रतियोगिता में शामिल बच्चों को बैग, बोतल, टिफिन और नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। अध्यक्ष मुकेश मीणा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि क्लब में आगे भी पारिवारिक एवं कैलेंडर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बच्चों के लिए सर्दियों में विंटर फेस्टिवल भी आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र शर्मा *राजू चाचा* ने किया।

जन्माष्टमी के दिन चमका सोना, चांदी ने भी लगाई मजबूत छलांग

नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में पिछले कुछ दिन से जारी गिरावट के सिलसिले पर जन्माष्टमी के दिन ब्रेक लग गया है। शुरुआती कारोबार के दौरान सोना और चांदी में दोनों चमकीली धातुओं में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। देश के ज्यादातर हिस्सों में सोना 3,070 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,350 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी भी ज्यादातर सर्राफा बाजार में 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है।

भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार में 2,50,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र ने ई-कामर्स निर्यात के नियमों में किया बदलाव, केवल निर्यात के लिए माल रखने की की मिली अनुमति

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-कामर्स एक्सपोर्ट के नियमों में बदलाव किया है। इस बदलाव के बाद भारत में बने सामान के विदेशों मे एक्सपोर्ट के लिए इन्वेंट्री-बेस्ड ई-कामर्स माडल में काम करने की अनुमति दे दी गई है। इसके साथ ही जुलाई में घोषित यह निर्णय प्रभावी हो गया है। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों में बदलाव को अधिसूचित किया है। अधिसूचना के मुताबिक विभाग ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआईब्) नियमों में संशोधन करते हुए विदेशी निवेश वाली ई-कामर्स कंपनियों को केवल भारत में बने सामान के निर्यात के लिए अब इन्वेंट्री (माल स्टाक) रखने की अनुमति दे दी है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इसके तहत ई-कामर्स कंपनियों को भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं का भंडार केवल निर्यात के उद्देश्य से रखने की अनुमति होगी। नियमों के अनुसार विदेशी निवेश वाली ई-कामर्स कंपनियां अब भारत में बना माल अपने पास रखकर उसका निर्यात कर सकती हैं, लेकिन इसी तरह माल को अपने पास रखकर भारत में खुदरा बिक्री करने की अनुमति नहीं है। मंत्रालय ने बताया कि विभाग ने 2 सितंबर को जारी एक नोटिफिकेशन में विदेशी एक्सचेंज मैनेजमेंट (नान-डेट इंस्ट्रूमेंट्स) नियम, 2019 में इस संबंध में एक प्रावधान को जोड़ा है।

टाटा रियल्टी ने गौरव जैन को एमडी और सीईओ नियुक्त किया

नई दिल्ली। टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (टीआरआईएल) ने गौरव जैन को अपना नया प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। जैन की नियुक्ति 01 अक्टूबर, 2026 से प्रभावी होगी। टाटा रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने जारी बयान में बताया कि कंपनी ने 01 अक्टूबर से गौरव जैन को अपना नया प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। जैन के पास आवासीय और व्यावसायिक रियल एस्टेट सेक्टर में 23 साल से ज्यादा का अनुभव है। कंपनी ने कहा कि उन्हें बिजनेस ग्रोथ, संस्था बनाने, स्ट्रैटेजिक प्लानिंग, आपरेशनल एक्सीलेंस, सेल्स और मार्केटिंग, और लाभ और हानि मैनेजमेंट में महारत हासिल है। कंपनी ने कहा कि जैन, संजय दत्त की जगह लेंगे, जिन्होंने हाल ही में नए मौकों की तलाश में टीआरआईएल के एमडी और सीईओ के पद से इस्तीफा दिया था। उल्लेखनीय है कि टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टीआरआईएल देश की प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है। रियल एस्टेट और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर कंपनी विकास के अगले चरण की तैयारी कर रही है।

इनोवा हाइक्रास के फेसलिफ्ट माडल का इंतजार जल्द होगा खत्म

नई दिल्ली। लोकप्रिय एमपीवी इनोवा हाइक्रास के फेसलिफ्ट माडल का इंतजार जल्द खत्म होने जा रहा है। टोयोटा कंपनी पिछले कई महीनों से अपडेटेड इनोवा हाइक्रास की टेस्टिंग कर रही है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी इस नई एमपीवी को अक्टूबर 2026 के मध्य तक भारतीय बाजार में लान्च कर सकती है। वहीं कंपनी ने अभी तक इसकी लान्च तारीख को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। टेस्टिंग के दौरान सामने आए स्पाई शाट्स से संकेत मिले हैं कि नई इनोवा हाइक्रास के डिजाइन में कई महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं। सबसे बड़ा बदलाव इसके फ्रंट हिस्से में होने की उम्मीद है। मौजूदा एमपीवी स्टाइल डिजाइन की जगह इसे ज्यादा दमदार और एसयूवी जैसा लुक दिया जा सकता है। नए माडल में चौड़ा फ्रंट नोज, नया हनीकाम्ब पैटर्न ग्रिल और पहले से पतले हेडलैंप्स मिल सकते हैं। इनमें नए एलईडी एलिमेंट्स भी दिए जाने की संभावना है। फ्रंट बंपर में बदलाव के साथ एलईडी प्रोजेक्टर फाग लैंप और फाक्स स्किड प्लेट इसे ज्यादा आकर्षक और मजबूत लुक दे सकते हैं। साइड प्रोफाइल में बड़े बदलाव की उम्मीद कम है, लेकिन कंपनी नए डिजाइन के अलाय व्हील या ड्यूल-टोन फिनिश वाले व्हील दे सकती है। पैनोरमिक सनरूफ और शार्क-फिन एंटीना जैसे फीचर्स भी जारी रह सकते हैं। इंजन विकल्पों में बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसमें मौजूदा 2.0 लीटर पेट्रोल इंजन और स्ट्रान्ग हाइब्रिड पावरट्रेन जारी रह सकते हैं। पेट्रोल इंजन 173 पीएस की पावर देता है, जबकि हाइब्रिड सिस्टम करीब 184 पीएस की संयुक्त पावर प्रदान करता है।

आरबीआई स्वैप सुविधा ने तोड़े रिकार्ड आया 136 अरब डालर का बंपर निवेश

एफसीएनआर(बी) ने उम्मीद से ज्यादा जुटाए 127 अरब डालर, समयसीमा से एक महीने पहले हुई बंद

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती स्वैप सुविधा ने अपनी (एफसीएनआर(बी)जमा विंडो के बंद होने तक ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है। 31 अगस्त की समयसीमा तक कुल 136.4 अरब डालर का भारी-भरकम निवेश आकर्षित किया गया, जिसमें से विदेशी मुद्रा अनिवासी भारतीय (बैंक) जमा (एफसीएनआर(बी) ने अकेले अनुमान से कहीं अधिक 127.2 अरब डालर जुटाए।

यह उपलब्धि वैश्विक वित्तीय तंत्र के भारत की अर्थव्यवस्था में बढ़ते भरोसे को दर्शाती है, लेकिन अब केंद्रीय बैंक के सामने बैंकिंग प्रणाली में जमा हुई भारी तरलता (लिक्विडिटी) के कुशल प्रबंधन की नई चुनौती खड़ी हो गई है। एफसीएनआर(बी) का अप्रत्याशित उछाल और वैश्विक भरोसा 8 जून को शुरू हुई इस रियायती स्वैप सुविधा में एफसीएनआर(बी) जमा ने सबसे अधिक चौंकाने वाली वृद्धि दर्ज की। 21 अगस्त तक 65.4 अरब के निवेश के मुकाबले, 31 अगस्त को विंडो बंद होने तक यह आंकड़ा बढ़कर 127.2 अरब डालर हो गया।

योजना को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते, जो मूल रूप से 30 सितंबर तक निर्धारित थी, उसे एक महीने पहले ही बंद कर दिया गया। एक बड़े बैंक के सीईओ ने कहा कि एफसीएनआर(बी) जमा उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा, जो वैश्विक वित्तीय तंत्र का भारत पर भरोसा दिखाता है। ज्यादातर जमाएं 5 साल की अधिकतम परिपक्वता अवधि के लिए आई हैं।

अन्य सुविधाओं का योगदान और फंड का उपयोग कुल निवेश में बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के माध्यम से 3.9 अरब डालर और ओवरसीज विदेशी मुद्रा उधारी (ओएफसीबी) के जरिये 5.3 अरब डालर जुटाए गए, जिनकी सुविधा 31 दिसंबर, 2026 तक जारी रहेगी। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने स्वैप योजना के जरिये 17.9 अरब डालर की एफसीएनआर(बी) जमा जुटाई, जबकि भारतीय स्टेट बैंक ने 10 अरब डालर का अपना लक्ष्य पार कर लिया। इन जमाओं का उपयोग सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा गिफ्ट सिटी में आईएफएससी बैंकिंग यूनिट (आईबीयू) के जरिये ऋण आवंटित करने में किया गया, जहां 54.02 अरब डालर मंजूर किए गए थे, जिसके मुकाबले 52.8 अरब डालर आवंटित किए गए।

अप्रैल से अगस्त के दौरान आईबीयू ने 11.62 अरब डालर का ईसीबी आवंटित किया और भारतीय बैंकों ने आईएफएससी एक्सचेंजों में बान्ड जारी करके 11.12 अरब डालर जुटाए। आरबीआई के लिए तरलता प्रबंधन की चुनौती हालांकि एफसीएनआर(बी) जमा योजना की यह शानदार सफलता भारत के लिए अच्छी खबर है, लेकिन इसके जरिये जमा हुई भारी रकम ने केंद्रीय बैंक के सामने तरलता प्रबंधन की गंभीर चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। बैंकिंग तंत्र में 15 अगस्त तक कोर लिक्विडिटी 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा थी और सितंबर में यह आंकड़ा 10 लाख करोड़ रुपये से भी पार जाने का अनुमान है। आरबीआई को अब इस अतिरिक्त तरलता को कुशलतापूर्वक अवशोषित और प्रबंधित करने के लिए प्रभावी कदम उठाने होंगे ताकि मुद्रास्फीति और वित्तीय स्थिरता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

दुर्घटना जांच ब्यूरो ने एयर इंडिया की फुकेट-दिल्ली उड़ान से जुड़ी घटना पर प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की

रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट के पायलट की जांच में साइकोएक्टिव पदार्थ की पुष्टि

एएआईबी ने पायलट के मादक पदार्थ के सेवन की पुष्टि को गंभीर चिंता बताया

नई दिल्ली

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने 4 अगस्त को हुई एयर इंडिया की फुकेट-दिल्ली उड़ान से जुड़ी घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट के पायलट की जांच में साइकोएक्टिव पदार्थ की पुष्टि हुई है।

एएआईबी ने एक बयान में बताया कि एयर इंडिया की फुकेट-दिल्ली उड़ान से जुड़ी घटना के मामले में विमान के मुख्य पायलट की मन:प्रभावी पदार्थ संबंधी जांच रिपोर्ट निगेटिव नहीं आई है। जांच एजेंसी ने कहा कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से इस मामले में कार्रवाई करने को कहा गया है। एएआईबी की शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार चार अगस्त को एयर इंडिया की फुकेत-दिल्ली फ्लाइट अचानक 300 फ़ीट नीचे आ गई थी। इस घटना के बाद हुए पुष्टि करने वाला ड्रग टेस्ट में पायलट के जांच रिपोर्ट का नतीजा साइकोएक्टिव पदार्थ के लिए गैर-नकारात्मक आया है। एएआईबी ने बताया कि डीजीसीए से उचित कार्रवाई करने की सिफारिश की गई है, जबकि मामले की विस्तृत जांच अभी चल रही है। अंतिम रिपोर्ट बाद में जारी की जाएगी। एएआईबी ने कहा कि तकनीकी और अन्य पहलुओं की विस्तृत जांच जारी है। जांच एजेंसी ने कहा कि एयर इंडिया की फुकेट-दिल्ली उड़ान के मुख्य पायलट के मादक पदार्थ के सेवन की पुष्टि होना गंभीर चिंता का विषय है। उल्लेखनीय है कि इस घटना में 20 यात्री और 4 क्रू मेंबर घायल हो गए थे। एयर इंडिया ने शुरू में ऊंचाई कम होने की वजह टर्बुलेंस (हवा के झोंके) को बताया था, लेकिन विमान बनाने वाली कंपनी की रिपोर्ट से पता चला कि विमान के ग्रीन, ब्लू और येलो सिस्टम में हाइड्रोलिक प्रेशर की दिक्कतों की वजह से लगभग चार सेकंड के लिए एलिवेटर और एलिरान कंट्रोल काम नहीं कर रहे थे।

मणिपाल पेमेंट का आईपीओ नौ सितंबर को खुलेगा

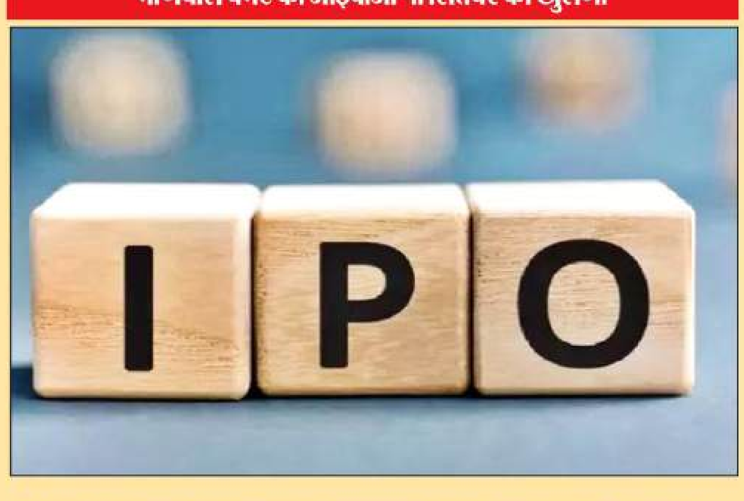

नई दिल्ली। मणिपाल पेमेंट एंड आइडेंटिटी साल्यूशंस लिमिटेड ने अपने 805 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए प्रति शेयर 322-339 रुपये का मूल्य दायरा तय किया। कंपनी का आईपीओ नौ सितंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 11 सितंबर को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक आठ सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, आईपीओ में 320 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा, प्रवर्तक मणिपाल टेक्नोलाजीज 1.43 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेगी, जिसका मूल्य 485 करोड़ रुपये तक है। नए शेयर जारी करने से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कंपनी मणिपाल, चेन्नई, नवी मुंबई और छत्तीसगढ़ आरटीओ स्थित अपनी इकाइयों में नए और पुराने उपकरण खरीदने तथा उन्हें स्थापित करने में करेगी। कंपनी के शेयर 17 सितंबर को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने का प्रस्ताव है।

एफएसएसएआई की सख्ती से रेस्टोरेंट अलर्ट, नियमों से जुड़े सवाल 40 फीसदी बढ़े

साफ-सफाई, भंडारण से लेकर दस्तावेजीकरण तक के नियमों पर मांग रहे जानकारी

नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा व मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा रेस्टोरेंट पर की गई हालिया सख्त कार्रवाई ने खाद्य व्यवसायियों को नियमों के पालन के प्रति अधिक गंभीर कर दिया है। नतीजतन, जुलाई से लेकर अब तक खाद्य सुरक्षा मानकों से जुड़े सवालों में करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे परामर्शदाताओं के पास काम बढ़ गया है। परामर्शदाताओं के अनुसार, ये सवाल मुख्य रूप से साफ-सफाई, भोजन भंडारण, खाना पकाने के तरीके, खाद्य रंगों व तेल के उपयोग, शाकाहारी-मांसाहारी भोजन के पृथक्करण और अनिवार्य दस्तावेजीकरण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं से संबंधित हैं। इन जिज्ञासाओं का सीधा संबंध एफएसएसएआई द्वारा निर्धारित कठोर शर्तों से है। मुंबई स्थित आकांक्षा मैनेजमेंट कंसल्टेंसी के एक मुख्य परामर्शदाता ने बताया कि उनकी कंपनी को खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण व प्रमाणन से जुड़ी पूछताछ में 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। एफएसएसएआई की बढ़ती सख्ती ने कारोबारियों को प्रशिक्षण और दस्तावेजीकरण पर विशेष ध्यान देने के लिए मजबूर किया है। उन्होंने जानकारी दी कि जहां पहले महीने में मुश्किल से एक प्रशिक्षण सत्र होता था, वहीं जुलाई से अब तक उन्होंने 10-15 ऐसे सत्र आयोजित किए हैं, जिनमें प्रत्येक में लगभग 40 लोग शामिल थे। ये प्रशिक्षण एफएसएसएआई के स्वच्छता व साफ-सफाई मानकों की जानकारी देते हैं। हालांकि एफएसएसएआई की ज्यादातर कार्रवाई महाराष्ट्र में केंद्रित है, लेकिन इसका असर दिल्ली-एनसीआर जैसे अन्य शहरों में भी स्पष्ट रूप से दिख रहा है। दिल्ली-एनसीआर में भी एक परामर्श कंपनी के विशेषज्ञ ने नियमों के पालन संबंधी 40 फीसदी अधिक सवाल आने की पुष्टि की। इस बढ़ी हुई सख्ती के कारण रेस्टोरेंट संचालकों पर खर्च का बोझ भी बढ़ गया है, जो सही प्रशिक्षण, वेंडर प्रमाणन और साफ-सफाई के उच्च मानकों को बनाए रखने पर होने वाले खर्च के कारण बढ़ा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान जोरदार मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी नहीं होने का संकेत मिलने की वजह से पिछले सत्र के दौरान वाल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.18 प्रतिशत की तेजी हासिल करने में सफल रहा। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 81.11 अंक यानी 1.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,747.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 366.23 अंक यानी 1.40 प्रतिशत उछल कर 26,584.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 53,657.77 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का जोर बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 75.07 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की छलांग लगा कर 10,831.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.07 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,286.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 163.99 अंक यानी 0.63 प्रतिशत उछल कर 26,003.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि एक सूचकांक लाल निशान में नजर आ रहा है। एशियाई बाजार में इकलौता जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स फिलहाल 0.04 प्रतिशत फिसल कर 6,665.11 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 72 अंक यानी 0.30 प्रतिशत उछल कर 24,004.50 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,955.85 अंक के स्तर पर आ गया है। हैंग सेंग इंडेक्स में जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 524.69 अंक यानी 2.04 प्रतिशत की उछाल के साथ 25,738 अंक के स्तर पर बना हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में भी जोरदार मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 101.88 अंक यानी 1.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,681.36 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 64.04 अंक यानी 1.11 प्रतिशत उछल कर 5,811.75 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 704.52 अंक यानी 1.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 64,919 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 349.26 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46,206.92 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,580.79 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

आकाश चोपड़ा की विश्व की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में चार भारतीय शामिल

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने वर्तमान समय की विश्व की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम का चयन किया है। आकाश ने अपनी इस टीम में चार भारतीय खिलाड़ियों को शामिल किया है पर हैरानी की बात ये है कि इसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शामिल नहीं है। आकाश की इस टीम में भारत और इंग्लैंड के चार-चार व ऑस्ट्रेलिया के दो और वेस्टइंडीज के एक खिलाड़ी को शामिल किया गया है। चोपड़ा ने सर्वश्रेष्ठ टेस्ट 11 खिलाड़ियों में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को भी शामिल किया है। स्टोक्स टीम में एकमात्र ऐसे क्रिकेटर हैं जिन्होंने संनयास ले लिया है। वहीं अन्य सभी सक्रिय क्रिकेटर हैं।

चोपड़ा ने इस टीम में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और भारत के केएल राहुल को सलामी बल्लेबाज रखा है। इसके बाद तीन नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को रखा है।

वहीं चार नंबर पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल हैं। पांच नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाज हैरी ब्रूक को शामिल किया है। छह और सात नंबर पर आकाश चोपड़ा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा हैं को रखा है। तेज गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क, इंग्लैंड के जोश टंग और वेस्टइंडीज के शमार जोसेफ हैं। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि चोपड़ा ने इस टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नहीं रखा है। आकाश की इस टीम में रवींद्र जडेजा मुख्य स्पिनर हैं। उन्होंने किसी विशेषज्ञ स्पिनर को जगह नहीं दी है हालांकि, उनकी टीम में आठ नंबर तक बल्लेबाजी है।

आर्सेनल की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं मिडफील्डर गुइमारेस

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल में खेलने जा रहे ब्राजील के मिडफील्डर ब्रूनो गुइमारेस का कहना है कि आर्सेनल में शामिल होकर उन्हें काफी अच्छा लग रहा है। उनका लक्ष्य क्लब की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। आर्सेनल की भी नजरें ब्रूनो पर लगी हैं। टीम ने जिन्हें न्यूकैसल यूनाइटेड से भारी भरकम राशि देकर खरीदा था। आर्सेनल को उम्मीद है कि इस मिडफील्डर के आने से उसकी टीम और बेहतर होगी। वहीं आर्सेनल में शामिल होकर गुइमारेस भी उत्साहित हैं। उन्होने कहा है कि उन्हें इस टीम में आकर काफी अच्छा लग रहा है। यहां उन्हें विश्वस्तरीय खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, आर्सेनल में शामिल होकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस अच्छे अवसर के लिए अभारी हूं। कोच मिकेल आर्टेटा भी काफी अच्छे है। इस प्रकार देखा जाये तो आर्सेनल जैसे बेहतरीन क्लब में आना मेरे लिए सुखद अनुभव है। मैं क्लब की गौरवशाली उपलब्धियों का हिस्सा बनना चाहता हूं। अपने खेल शैली को लेकर इस फुटबालर ने कहा, मैं एक सेंट्रल मिडफील्डर हूं। मुझे शानदार पासिंग के साथ गेंद को लगातार आगे बढ़ाना रखना पसंद है। मैं मैदान में हर जगह अपनी पहुंच बनाने के प्रयास करता हूं। मैं हमेशा जोश और उत्साह के साथ खेलता हूं और हमेशा ही अपनी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करता हूं। मैं गेंद के साथ सहज महसूस करते हुए और दबाव में भी शांत रहता हूं।

न्यूज़ ब्रीफ

चाइना मास्टर्सः एन से यंग और अकाने यामागुची सेमीफाइनल में, खिताब की दौड़ हुई रोमांचक

शेनझेन। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से यंग ने हमवतन किम गा युन को सीधे गेमों में हराकर चाइना मास्टर्स 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, दुनिया की नंबर तीन जापान की अकाने यामागुची ने थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग को मात देकर अंतिम चार में प्रवेश किया। एन से यंग को क्वार्टर फाइनल में किम गा युन से शुरुआती चुनौती मिली। पहले गेम में दोनों 6-6 से बराबरी पर थीं, लेकिन इसके बाद एन से यंग ने लगातार छह अंक जीतकर मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया और पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में एन से यंग ने और अधिक आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लगातार बढ़त बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया और सीधे गेमों में सेमीफाइनल का टिकट कटाया। एन से यंग ने 2024 और 2025 में चाइना मास्टर्स का खिताब जीता था। अब उनकी नजर लगातार तीसरी बार ट्राफी जीतने पर है। ऐसा करने पर वह चोन वी पेई के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगी, जिन्होंने 2018, 2019 और 2023 में महिला एकल खिताब जीते थे। इससे पहले अकाने यामागुची ने सुपानिदा कातेथोंग को 21-18, 21-16 से हराया। तीन बार की विश्व चैंपियन यामागुची ने मुकाबला 33 मिनट में अपने नाम किया। विश्व नंबर-30 कातेथोंग ने टूर्नामेंट की प्रबल दावेदारों में शामिल यामागुची को कड़ी चुनौती दी। पहले गेम के मध्यांतर में स्कोर 8-8 था, जबकि दूसरे गेम में थाई खिलाड़ी ने 11-8 की बढ़त भी बना ली थी। हालांकि, वापसी के लिए मशहूर यामागुची ने एक बार फिर अपना अनुभव दिखाया और लगातार अंक हासिल करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया।

चाइना मास्टर्सः किदांबी श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में हारे, ली चियुक यिउ ने सीधे गेमों में दी मात

शेनझेन। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। श्रीकांत को शेनझेन एरेना में हांगकांग के ली चियुक यिउ के खिलाफ 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने पहले गेम की शुरुआत लगातार दो अंक हासिल करके की, लेकिन ली चियुक यिउ ने जल्द ही वापसी करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। हांगकांग के खिलाड़ी ने अपनी बढ़त कायम रखी और भारतीय खिलाड़ी की देर से की गई वापसी की कोशिशों के बावजूद पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी ली चियुक यिउ ने बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और 21-16 से जीत दर्ज कर मुकाबला सीधे गेमों में अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ली चियुक यिउ के खिलाफ श्रीकांत का खराब रिकार्ड और बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी को हांगकांग के इस शटलर के खिलाफ लगातार चौथी हार मिली है। दोनों के बीच अब तक हुई भिड़ंत में श्रीकांत की एकमात्र जीत 2018 इंडिया ओपन के पहले दौर में आई थी। श्रीकांत ने इससे पहले अंतिम-8 में पहुंचने के लिए पिछले दौर में विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को सीधे गेमों में हराया था।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने वाली बल्लेबाज बनीं

दुबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रच दिया है। महिला एशिया कप 2026 में हांगकांग के खिलाफ खेलते हुए मंधाना ने 124 रन की तूफानी पारी खेली और पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज का सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का रिकार्ड तोड़ दिया। 30 वर्षीय मंधाना के नाम अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,880 रन हो गए हैं, जबकि मिताली राज ने अपने करियर में 10,868 रन बनाए थे। इस शानदार पारी के साथ मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। मंधाना ने सिर्फ रनों के मामले में ही नहीं, बल्कि शतकों के मामले में भी नया विश्व रिकार्ड बनाया। हांगकांग के खिलाफ लगाया गया शतक उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18वां शतक है। उन्होंने आस्ट्रेलिया की पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मेग लैनिंग के 17 शतकों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। मंधाना की इस पारी ने भारत को हांगकांग के खिलाफ मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के सामने हांगकांग के गेंदबाज पूरी तरह दबाव में नजर आए। मंधाना ने शुरुआत से ही तेजी से रन बनाए और मैदान के चारों तरफ शानदार शाट लगाए।

महिला क्रिकेटर सोफिया अगले एक साल तक सिडनी सिक्सर्स में ही रहेंगी

सिडनी

इंग्लैंड की अनुभवी महिला क्रिकेटर सोफिया डंकले अब आस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के 12वें सत्र में भी सिडनी सिक्सर्स की ओर से ही खेलती नजर आयेंगी। सोफिया ने इस सत्र के लिए सिडनी सिक्सर्स के साथ अपना अनुबंध एक साल तक के लिउ बढ़ा दिया है। उन्हें ये अनुबंध द हंड्रेड टूर्नामेंट में ट्रेंट राकेट्स की ओर से किये उनके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए मिला है।

सोफिया ने द हंड्रेड महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में ट्रेंट राकेट्स को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वह प्रतियोगिता की सर्वकालिक सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी भी बनी थी। इससे पहले भी बिग बैश के पिछले सत्र के दौरान इस खिलाड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 354 रन बनाए थे। उनके इस प्रदर्शन के आधार पर ही सिक्सर्स प्रबंधन ने उन्हें टीम में इस बार भी बनाये रखा है। सोफिया ने टीम में बरकारार रखे जाने पर अपनी वापसी पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मुझे पिछले सीजन में सिक्सर्स के साथ बिताया गया समय बहुत पसंद आया था और मैं वापस आकर बेहद उत्साहित हूं। खिलाड़ियों, कोचों और प्रशंसकों ने मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया था। उन्होंने आगे कहा, मुझे पिछले साल क्लब के साथ बिताया अपना समय बहुत अच्छा लगा और मैं नार्थ सिडनी में लड़कियों के साथ फिर से खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। उनकी यह प्रतिक्रिया टीम के प्रति उनके लगाव और आगामी सत्र के लिए उनकी प्रतिबद्धता को दिखाती है। गौरलब है कि साल 2018 में इंग्लैंड की ओ से अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से ही सोफिय ने विश्व की बेहतरीन बल्लेबाज के तौर पर उभरी हैं। वह खेल के सभी प्रारूपों में बेहतर प्रदर्शन करती रही है। उनकी बल्लेबाजी से टीम को हमेशा मजबूती मिलती रही है। उनकी यह क्षमता उन्हें बड़े मैचों में निर्णायक प्रदर्शन करने में सक्षम बनाती है। वहीं सिडनी सिक्सर्स की जनरल मैनेजर रेचल हेन्स ने अगले सत्र के लिए सोफिया के टीम में जुड़ने को क्लब के लिए अच्छा अनुभव बताया है। हेन्स ने कहा, सोफिया ने पिछले सत्र में प्रभावित किया था। उन्होंने हमारी बल्लेबाजी लाइन-अप की क्षमता को बढ़ाया और जल्द ही मैदान पर और मैदान के बाहर ग्रुप की एक अहम सदस्य बन गईं।

इंग्लिश प्रीमियर लीग में खेलने को लेकर उत्साहित हैं इलियट एंडरसन

लंदन। मैनचेस्टर सिटी के नये मिडफील्डर बेल्जियम के इलियट एंडरसन ने कहा है कि वह इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल में मैनचेस्टर डर्बी मुकाबले में खेलने को लेकर उत्साहित हैं। मैनचेस्टर सिटी और मैनचेस्टर यूनाइटेड के बीच होने वाले मुकाबले को मैनचेस्टर डर्बी के नाम से जाना जाता है। एंडरसन ने हाल ही में सिटी से करार कर प्रीमियर लीग में प्रवेश है। इस फुटबालर के अनुसार क्लब की जीत की मानसिकता और मुख्य कोच एंजो मारेस्का के साथ काम करने का अवसर उनके इस क्लब में आने का मुख्य कारण है। एंडरसन ने कहा, मुझे लगता है कि वे सिर्फ विजेता हैं। वे लगातार खेलते रहते हैं। मैं ऐसी ही टीम का हिस्सा बनकर खुश हूं। मैं मारेस्का के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं। मैंने पिछले कुछ साल में उनकी टीमों को देखा है और चेल्सी के कुछ खिलाड़ियों से भी बात की है, और वे सभी उन्हें बहुत अच्छा मानते हैं। अपने करियर में मिली सफलता को लेकर एंडरसन ने कहा, मैं थोड़ा हैरान हूं। मुझे लगता है कि यह बहुत जल्दी हो गया पर मुझे हमेशा लगता था कि मैं हमेशा ही यहां तक पहुंच सकता हूं। मैं सिटी क्लब को और आगे ले जाने की कोशिश करता रहूंगा। एंडरसन को अपने नए माहौल में जिन सबसे पहले अनुभवों में से एक का सामना करना पड़ेगा, वह प्रतिष्ठित मैनचेस्टर डर्बी होगा। यह एक ऐसा मैच है जिसे उन्होंने हमेशा करीब से देखा है और अब वे सिटी के ड्रेसिंग रूम के अंदर से इसे अनुभव करने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, यह दुनिया के सबसे बड़े डर्बी में से एक है। जब से मैं मैनचेस्टर को जानता हूं, सिटी मैनचेस्टर के किंग रहे हैं। मैं ऐसी किसी चीज में शामिल होने का इंतजार नहीं कर सकता।

यूएस ओपनः राइबाकिना ने बोउजास मानेइरो को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयार्क

दुनिया की नंबर दो खिलाड़ी कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पेन की जेसिका बोउजास मानेइरो को 6-2, 6-4 से हराकर यूएस ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली।

राइबाकिना ने लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने पहले सेट में 3-0 की बढ़त हासिल की और महज 30 मिनट में सेट 6-2 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में भी कजाखस्तान की खिलाड़ी ने आक्रामक खेल जारी रखा। उन्होंने शुरुआती चार में से तीन गेम जीतकर मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली और आसान जीत की ओर बढ़ती दिखीं।

हालांकि मैच के लिए सर्विस करते समय राइबाकिना पहली बार अपनी सर्विस गंवा बैठीं। बोउजास मानेइरो ने जोरदार वापसी की कोशिश की, लेकिन राइबाकिना ने तुरंत खुद को संभाला और अगले ही गेम में फिर उनकी सर्विस तोड़कर मुकाबला 6-4 से अपने नाम कर लिया। जीत के बाद राइबाकिना ने कहा, मैं जीत से बहुत खुश हूं। दूसरे सेट में उसने अपने शाट्स पर ज्यादा भरोसा दिखाया, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं मुकाबला खत्म करने में सफल रही। राइबाकिना इस साल न्यूयार्क में खिताब जीतकर डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल करने की कोशिश में हैं। इस जीत के साथ उन्होंने अपने तीसरे ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश भी जारी रखी है।

टूर्नामेंट से पहले सिनसिनाटी ओपन में चोट के कारण मैच से हटने के बाद राइबाकिना की फिटनेस को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन उन्होंने यूएस ओपन में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, यह बिल्कुल सही तैयारी नहीं थी। मैं थोड़ा निराश थी कि बाकी सभी खिलाड़ी टूर्नामेंट की तैयारी कर रहे थे और मैं सिर्फ रिकवरी और जिम में जरूरी काम कर रही थी। यहां आकर मैं बेहद खुश हूं।

तीसरे दौर में राइबाकिना का सामना यूक्रेन की यूलिया स्टारोडुब्त्सेवा से होगा। स्टारोडुब्त्सेवा ने 32वीं वरीयता प्राप्त मारिया सक्कारी के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

थैलेसीमिया बीमारी को मात देने वाले मुरादाबाद के कुणाल अरोड़ा संतोष-अर्जुन अवार्ड से सम्मानित

मुरादाबाद। थैलेसीमिया जैसी घातक बीमारी को मात देने वाले मुरादाबाद महानगर के पैरा टेबल टेनिस के युवा खिलाड़ी कुणाल अरोड़ा नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में संतोष-अर्जुन अवार्ड से सम्मानित हुए है। महानगर मुरादाबाद के निवासी सीनियर टेबिल टेनिस खिलाड़ी व कुणाल अरोड़ा के पिता यशपाल अरोड़ा ने बताया कि उनके बेटे पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी कुणाल अरोड़ा थैलेसीमिया जैसी घातक बीमारी ग्रस्त रहे है। भारतीय टीम में चयन होने के बाद फ़िनलैंड के दौरे पर जाने से पहले 23 अगस्त को थैलेसीमिया इंडिया सोसाइटी के द्वारा ली मेरिडियन होटल नई दिल्ली में आयोजित थैलेसीमिया वारियर्स को दिया जाने वाला संतोष एवं अर्जुन अवार्ड कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंडिया टीवी के मालिक एवं विश्व प्रसिद्ध जर्नलिस्ट रजत शर्मा के द्वारा अपने जीवन का ऐतिहासिक पल को यादगार बनाते हुए ष्संतोष एवं अर्जुन अवार्डष् को प्राप्त किया कुणाल अरोड़ा की उपलब्धियों पर श्री रजत शर्मा जी ने प्रशंसा की और अपना आशीर्वाद भी दिया। कुणाल अरोड़ा इससे पूर्व फ़िल्मी एक्टर जैकी श्राफ से भी अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं।

अब जडेजा का विकल्प तलाशने की जरुरत : दीप दासगुप्ता

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने कहा है कि अब टीम प्रबंधन को स्पिन आलराउंडर रविन्द्र जडेजा का विकल्प तलाशना शुरु कर देना चाहिये। दीपदास के अनुसार श्रीलंका दौरे में ये देखने में आया है कि अब जडेजा की गेंदबाजी पहले जैसी नहीं रही है। दो टेस्ट मैचों की सीरीज में वह अधिक विकेट भी नहीं ले पाये। ऐसे में टीम प्रबंधन को उनकी जगह के लिए किसी खिलाड़ी को तैयार करना शुरु कर देना चाहिये। जडेजा ने श्रीलंका सीरीज की चार पारियों में कुल 8 विकेट लिए। दासगुप्ता को लगा कि भारत का स्पिन आक्रमण इस दौरे में विपक्षी टीम के लिए लगातार खतरा पैदा नहीं कर पाया। पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि श्रीलंका को फालो-आन देने के बावजूद भारतीय टीम उनके निचले क्रम के बल्लेबाजों को जल्दी आउट नहीं कर पायी।

दासगुप्ता ने कहा, मानव सुथार को छोड़कर, हमारे स्पिनर उतने खतरनाक नहीं दिखे जितनी हमें उम्मीद थी। ऐसी पिचों पर जडेजा हमेशा से बहुत खतरनाक और असरदार रहे हैं पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं दिखी। मुझे लगा था कि पांचवें दिन वह अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने टीम के लिए बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन अब उसने आगे बढ़ने का समय आ गया है। वह अपनी सामान्य सटीकता के साथ गेंदबाजी नहीं कर रहे थे। उनका गेंदबाजी एक्शन काफी हद तक कंधे पर निर्भर करता है।

दासगुप्ता ने साथ ही कहा कि स्पिन-बालिंग आलराउंडर की भूमिका में जडेजा के संभावित लंबे समय के विकल्प के तौर पर वाशिंगटन सुंदर अच्छें रहेंगे। उन्होंने कहा, हमें स्पिनरों की अगली पीढ़ी को तैयार करने की जरूरत है। हमें वाशिंगटन सुंदर को तैयार करने की जरूरत है। वह बिल्कुल जडेजा जैसे ही हैं। इसलिए जब जडेजा संन्यास लेने का फैसला करेंगे, तो हमें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होगी जो वही काम कर सके।

न्यू साउथ वेल्स ने पीटर सिडल को बनाया गेंदबाजी कोच, जोहान बोथा स्पिन सलाहकार की भूमिका में

सिडनी

आस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पीटर सिडल आगामी 2026-27 सत्र में न्यू साउथ वेल्स के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, जोहान बोथा टीम के साथ स्पिन सलाहकार के रूप में काम करेंगे। यह बदलाव ब्रैड हैडिन के मुख्य कोच के रूप में पहले सत्र से पहले हुआ है।

41 वर्षीय सिडल बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स की टीम का हिस्सा बने रहेंगे, लेकिन शेफील्ड शील्ड के सभी मुकाबलों में न्यू साउथ वेल्स के साथ काम करेंगे। वह हैडिन के कोचिंग स्टाफ में पीटर फारेस्ट और डेनियल स्मिथ के साथ जुड़ेंगे।

सिडल ने अपने राज्य स्तरीय करियर का अधिकांश हिस्सा विक्टोरिया के लिए खेला है। इसके अलावा उन्होंने तस्मानिया के लिए भी तीन सत्र बिताए हैं।

सिडल ने न्यू साउथ वेल्स की ओर से जारी एक बयान में कहा, इस सत्र में न्यू साउथ वेल्स ब्लूज से जुड़ना बेहद रोमांचक है। मैं प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के इस समूह का मार्गदर्शन करने के अवसर को लेकर बहुत उत्साहित हूं। आने वाली गर्मियों का सत्र बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है और मैं इसमें पूरी तरह जुटने का इंतजार नहीं कर सकता।

वहीं, इस साल की शुरुआत में क्वींसलैंड के कोच पद से इस्तीफा देने वाले जोहान बोथा फिलहाल अस्थायी आधार पर टीम के साथ काम करेंगे।

मुख्य कोच ब्रैड हैडिन ने कहा, पीटर और जोहान का ब्लूज के साथ जुड़ना दर्शाता है कि हम टीम के आसपास उच्च गुणवत्ता वाले लोगों को रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीटर अपने साथ काफी अनुभव और ज्ञान लेकर आए हैं और वह उस तरह के क्रिकेटर का उदाहरण भी हैं, जैसा हम अपनी टीम में देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, हमें भरोसा है कि हमने ब्लूज के लिए रोमांचक सत्र से पहले एक संतुलित और मजबूत कोचिंग टीम तैयार की है।

न्यू साउथ वेल्स के तेज गेंदबाजी विभाग में आस्ट्रेलिया के तीन प्रमुख तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी शामिल हैं, हालांकि अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण वे राज्य क्रिकेट में कम ही खेलते हैं। इनके अलावा टीम के पास लियाम हैचर, उभरते हुए रयान हेडली, आलराउंडर जैक एडवर्ड्स, अनुभवी सीन एबाट और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस जैसे विकल्प मौजूद हैं।

लियाम हैचर आस्ट्रेलिया ए टीम के भारत दौरे का हिस्सा हैं। स्पिन विभाग में जोएल डेविस जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर वनडे टीम के साथ जाएंगे, जबकि तनवीर संघा आस्ट्रेलिया ए के भारत दौरे के सीमित ओवरों के चरण का हिस्सा हैं।

न्यू साउथ वेल्स अपने सत्र की शुरुआत 22 सितंबर को क्वींसलैंड के खिलाफ वनडे कप मुकाबले से करेगा। टीम का पहला शेफील्ड शील्ड मुकाबला 8 अक्टूबर से तस्मानिया के खिलाफ होगा।

सत्यमेव जयते

অসম চৰকাৰ

গুরুর্ব্রহ্মা গুরুর্বিষ্ণুঃ গুরুর্দেবো মহেশ্বরঃ ।
গুরুঃসাক্ষাৎ পরব্রহ্ম তস্মৈ শ্রীগুরবে নমঃ।।

৬৬ সংখ্যক
শিক্ষক দিৱস

উচ্চ শিক্ষা আৰু বিদ্যালয় শিক্ষা বিভাগৰ উদ্যোগত
শিক্ষক দিৱসৰ কেন্দ্ৰীয় অনুষ্ঠান

মনোনীত কৃতী শিক্ষাগুৰুসকললৈ
ৰাজ্যিক বঁটা প্ৰদান

বিশ্ববিদ্যালয় অনুদান আয়োগৰ পৰা স্বায়ত্তশাসিত মৰ্যাদা লাভ কৰা মহাবিদ্যালয়, সহযোগী এন চি চি বিষয়া,
কাৰিকৰী শিক্ষা সঞ্চালকালয়ৰ অন্তৰ্গত “পেটেণ্ট” লাভ কৰা শিক্ষকৰ লগতে
আদৰ্শ বিদ্যালয় সংগঠন, অসমৰ অধীনত শ্ৰেষ্ঠ আদৰ্শ শিক্ষকসকলক
সম্বৰ্ধনা জ্ঞাপন

মুখ্য অতিথি

ডাঃ ৰণোজ পেগু
মন্ত্ৰী, শিক্ষা ইত্যাদি বিভাগ, অসম

সন্মানীয় অতিথি

শ্ৰীবিশ্বজিৎ দৈমাৰী
মন্ত্ৰী, হস্ততাঁত, ক্ৰীড়া আৰু যুৱ কল্যাণ ইত্যাদি বিভাগ, অসম

৫ ছেপ্টেম্বৰ, ২০২৬ দিনৰ ১১:০০ বজা | শ্ৰীশ্ৰী দামোদৰদেৱ আন্তৰ্জাতিক প্ৰেক্ষাগৃহ, শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱ কলাক্ষেত্ৰ, পাঞ্জাবাৰী, গুৱাহাটী

উচ্চ শিক্ষা আৰু বিদ্যালয় শিক্ষা বিভাগ

-- DIPR /D/VBS-58/5-Sep-26

তথ্য আৰু জনসংযোগ সঞ্চালকালয়, অসমৰ দ্বাৰা প্ৰচাৰিত

Connect with us @diprassam dipr.assam.gov.in